वर्ष-11 अंक-08 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज शनिवार 08 मार्च, 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटर्वक
Download From Google Play
Adhunik Samachar
11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

एसडीपीआई ठिकानों पर दिल्ली यूपी समेत 10 राज्यों में तलाशी

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ईडी ने पीएफआई के राजनीतिक संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उत्तर प्रदेश, दिल्ली समेत 10 राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा मारा। एजेंसी का दावा है कि दोनों संगठनों आपस में जुड़े हुए हैं और पीएफआई राजनीतिक संगठन एसडीपीआई के जरिये अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के राजनीतिक संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उत्तर प्रदेश, दिल्ली समेत 10 राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई जांच एजेंसी ने एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी को गिरफ्तार करने के बाद की है।
आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली में एसडीपीआई के मुख्यालय समेत दो जगहों, उत्तर प्रदेश में लखनऊ, केरल में तिरुवनंतपुरम और मलप्पुरम, आंध्र प्रदेश में नांदयाल, झारखंड में पाकुड़, महाराष्ट्र में ठाणे, कर्नाटक में बंगलूरू, तमिलनाडु में चेन्नई, पश्चिम बंगाल में कोलकाता और राजस्थान में जयपुर में छापे की कार्रवाई की गई। ईडी का दावा है कि दोनों संगठनों आपस में जुड़े हुए हैं और पीएफआई राजनीतिक संगठन एसडीपीआई के जरिये अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।
केंद्र सरकार ने सितंबर 2022 में पीएफआई को गैरकानूनी संगठन करार देते हुए आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण प्रतिबंधित कर दिया था। एसडीपीआई का गठन 2009 में हुआ था और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। यह संगठन कथित तौर पर पीएफआई का राजनीतिक मोर्चा है। यह चुनाव आयोग में एक राजनीतिक दल के रूप में भी पंजीकृत है।
केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने एसडीपीआई के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों की सभी कार्रवाई कुछ तथ्यों और आंकड़ों पर आधारित होती है।

बारबाडोस के सर्वोच्च सम्मान के लिए पीएम मोदी ने जताया आभार; बोले- यह 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच

स्थायी मित्रता का प्रतीक है। मंत्रालय ने कहा, 'पुरस्कार की घोषणा बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटले ने 20 नवंबर, 2024 को गुयाना के जॉर्जटाउन में दूसरे भारत-कैरिकॉम नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में की थी।' ण्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बारबाडोस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रतिष्ठित ऑनररी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान पीएम मोदी के रणनीतिक नेतृत्व और बहुमूल्य सहायता के लिए दिया गया। पुरस्कार की घोषणा बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटले ने 20 नवंबर, 2024 को गुयाना के जॉर्जटाउन में की थी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री मोदी की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस सम्मान के लिए पीएम मोदी ने बारबाडोस की सरकार और लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सम्मान 140 करोड़ भारतीयों और भारत और बारबाडोस के बीच घनिष्ठ संबंधों को समर्पित है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक है। मंत्रालय ने कहा, 'पुरस्कार की घोषणा बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटले ने 20 नवंबर, 2024 को गुयाना के जॉर्जटाउन में दूसरे भारत-कैरिकॉम नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में की थी।' बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी को यह पुरस्कार कोविड-19 महामारी के दौरान उनके रणनीतिक नेतृत्व और बहुमूल्य सहायता के लिए दिया गया है। इसमें कहा गया कि मोटले ने महामारी के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति के दौरान अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन को मजबूत करने में मोदी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री की ओर से पुरस्कार प्राप्त करते हुए मार्गेरिटा ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व करना और उनकी ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्वीकार करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान की बात है।' बयान में मार्गेरिटा के हवाले से कहा गया, 'यह मान्यता भारत और बारबाडोस के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों, विशेष रूप से संकट के समय में सहयोग और विकास के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।' बयान में कहा गया है कि 1966 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से भारत और बारबाडोस ने निरंतर जुड़ाव और विकास पहलों के साथ एक मजबूत साझेदारी को बढ़ावा दिया है।

राहुल गांधी का गुजरात दौरा आज से; अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर मंथन करेगी कांग्रेस

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज गुजरात दौरे पर रहेंगे। खबरों के मुताबिक राहुल गांधी

प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का जायजा लेंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज यानी सात मार्च से गुजरात दौरे पर रहेंगे। दो दिवसीय दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य आ रहे कांग्रेस नेता गुजरात में कांग्रेस समिति की बैठक में भाग लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए राज्य के जिला और राज्य स्तरीय पार्टी कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। राहुल से पहले कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने राहुल के दौरे के संबंध में कहा कि गुजरात में राहुल गांधी जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्षों और वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि राहुल कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी बातचीत करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की राय पर विचार के बाद कांग्रेस गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के मिशन के साथ आगे बढ़ रही है। गुजरात के अहमदाबाद में अप्रैल में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। 139 साल पुरानी पार्टी का गुजरात में यह सम्मेलन तीसरी बार होगा। इससे पहले 1936 और 1961 में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साल 1961 के 64 साल बाद यह सम्मेलन गुजरात में होगा। गुजरात में कांग्रेस का पहला राष्ट्रीय अधिवेशन 1938 में बारदोली के हरिपुरा में हुआ था। यह सम्मेलन सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में हुआ था। यह सम्मेलन बारदोली सत्याग्रह की 10वीं वर्षगांठ पर हुआ था। इस सम्मेलन में सुभाष चंद्र बोस को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष चुना गया था। इसमें पूर्ण स्वराज की मांग की गई थी। साथ ही सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्रता मिलने के बाद सरकार चलाने की रूपरेखा बताई थी। उन्होंने योजना आयोग बनाने और पंचवर्षीय योजना बनाने का सुझाव दिया था।

पीएम मोदी ढाई लाख महिलाओं को देंगे वित्तीय मदद; महिलाएं ही संभालेंगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएम मोदी गुजरात दौरे में 2,587 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी करेंगे। पीएम

सिलवासा में 450 बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद सायली स्टेडियम से 62 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुजरात के नवसारी में लखपति दीदी कार्यक्रम में 1.1 लाख से अधिक महिलाओं को संबोधित करंगे। पीएम मोदी राज्य भर में 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता वितरित करेंगे। पीएम मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचेंगे।सूत्रों के मुताबिक नवसारी के वानसी-बोरसी में होने वाले कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाएं महिला पुलिस कर्मी व कर्मचारी ही देखेंगी। यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था महिला पुलिस अधिकारी के हाथों में होगी। कुल 2,165 कांस्टेबल, 187 इंस्पेक्टर, 61 सब-इंस्पेक्टर, 19 डीएसपी, पांच डीएसपी, एक पुलिस महानिरीक्षक और एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इस समग्र कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगीं।पीएम मोदी गुजरात दौरे में 2,587 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी करेंगे। पीएम सिलवासा में 450 बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद सायली स्टेडियम से 62 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे।

72 घंटे का स्मार्टफोन ब्रेक दिमाग पर डाल सकता है गहरा असर, बदल सकता है काम करने का तरीका

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। स्कैन से पता चला कि स्मार्टफोन का उपयोग सीमित करने से मस्तिष्क की गतिविधियों

में डोपामाइन और सेरोटोनिन से जुड़े क्षेत्रों में बदलाव आया है। यह क्षेत्र एक तरह के न्यूरोट्रांसमीटर हैं जो मनोवृति, मिजाज, भावनाओं और लत को नियंत्रित करते हैं। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि स्मार्टफोन के सीमित उपयोग से कुछ हद तक नशे की लत या मनपसंद भोजन की लालसा छोड़ने जैसा ही महसूस हो सकता है। स्मार्टफोन से ब्रेक वास्तव में हमारे दिमाग के काम करने का तरीका बदल सकता है। स्मार्टफोन से 72 घंटों का ब्रेक दिमाग की केमिस्ट्री में आश्चर्यजनक तरीके से बदलाव ला सकता है। जर्नल कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है कि इसका उपयोग एक लत की तरह है। यह अध्ययन हेडेलबर्ग और कोलोन विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिकों ने किया है जो 18 से 30 वर्ष की आयु के 25 युवाओं पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने इन युवाओं से 72 घंटों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग सीमित करने को कहा गया।

पंबन क्षेत्र से 14 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार, श्रीलंकाई नौसेना की बड़ी कार्रवाई

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। श्रीलंकाई नौसेना ने इस साल अब तक लगभग 150 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान श्रीलंकाई मुद्दा रहा है। इस बीच खबर आई थी कि श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की थी और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में

जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है। श्रीलंकाई नौसेना ने सीमा पार से मछली पकड़ने के आरोप में पंबन क्षेत्र से 14 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। रामेश्वरम मछुआरा संघ ने बताया कि उन्हें जांच के लिए मन्नार नौसैनिक अड्डे पर ले गई है। इससे पहले पिछले महीने यानी 23 फरवरी को श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं भी जब्त की थीं। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा था कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया।बयान के मुताबिक, नौसेना ने इस साल अब तक लगभग 150 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है।मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र से इस मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए तत्काल संयुक्त कार्य समूह गठित करने का आग्रह किया था। स्टालिन ने अपने पत्र में कहा था, 'मैं यह पत्र गहरी पीड़ा के साथ लिख रहा हूं, क्योंकि हाल के दिनों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को पकड़े जाने की घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है। नवीनतम घटना में 23 फरवरी को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 32 मछुआरों को उनकी पांच मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ पकड़ा गया है। ये मछुआरे 22 फरवरी को रामेश्वरम बंदरगाह से निकले थे। इसलिए मैं एक बार फिर इस लंबे समय से लंबित मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए संयुक्त कार्य समूह को तुरंत बुलाने के अपने पिछले अनुरोध को दोहराता हूं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन आशंकाओं के कारण हमारे मछुआरों के परिवारों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग से बर्फबारी में 54ज्ञ् की कमी के आसार, बारिश और बर्फबारी में तेजी से हो रहे बड़े बदलाव

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अत्यधिक बर्फबारी वाले इलाकों में बर्फबारी से बारिश में 0.87ज्ञ् की बढ़ोतरी देखी गई। कम ब फबारी वाले इलाकों में 0.5 प्रभावों का विश्लेषण किया। इसके लिए उच्च पर्वतीय एशिया को चार क्षेत्रों में वर्गीकृत किया। अत्यधिक बर्फबारी वाले इलाकों में बर्फबारी से बारिश में 0.87ज्ञ् की बढ़ोतरी ग्लोबल वार्मिंग के कारण अधिकतर इलाकों में बारिश बढ़ेगी, जिससे गर्मियों और शरद ऋतु में 80 फीसदी से ज्यादा पहाड़ी क्षेत्र प्रभावित होंगे। अध्ययन से पता

से 0.87ज्ञ् तक की कमी देखी गई। बर्फ से बारिश वाले इलाकों ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रति बढ़ी संवेदनशीलता दिखाई।ग्लोबल वार्मिंग के कारण एशिया के ऊंचे पहाड़ों में बर्फबारी में भारी गिरावट आ सकती है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि 2100 तक सर्दियों में बर्फबारी 25.8 और वसंत में 54.1ज्ञ् तक कम हो सकती है। शोध एनपीजे क्लाइमेट एंड एटमॉस्फेरिक साइंस में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने ऐतिहासिक जलवायु डेटा और भविष्य के मौसम मॉडल का इस्तेमाल करके बारिश और बर्फबारी में बदलाव को समझा और बारिश तथा बर्फबारी के चरणों में बदलाव पर बढ़ते तापमान के देखी गई। कम बर्फबारी वाले इलाकों में 0.5 से 0.87ज्ञ् तक की कमी देखी गई। बर्फ से बारिश वाले इलाकों ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रति बढ़ी संवेदनशीलता दिखाई। इसमें बर्फबारी की दर बर्फ वाले इलाकों में बर्फबारी से बारिश की 0.87ज्ञ् की बढ़ोतरी या बारिश वाले इलाकों में बर्फबारी से बारिश 0.13ज्ञ् की कमी की तुलना में तीन से पांच गुना तेजी से घट रही थी। अध्ययन के अनुसार तापमान बढ़ने से बारिश और बर्फबारी के अनुपात में बड़ा बदलाव हो रहा है। कुछ इलाकों में बारिश ज्यादा हो रही है, जबकि बर्फबारी तेजी से घट रही है। जो क्षेत्र ज्यादा ऊंचाई पर हैं, वे और ऊंचाई की ओर बढ़ सकते हैं। चला है कि ये बदलाव जल भंडारण और पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता पर भयंकर प्रभाव डालते हैं। बर्फबारी कम होने से नदियों में पानी की मात्रा घट सकती है। अरबों लोगों की जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, क्योंकि इन नदियों का पानी कई देशों में इस्तेमाल होता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि हमने बर्फ से बारिश की सीमा की पहचान करने के लिए एक अहम उपकरण प्रदान किया है। यह एशिया की पर्वतीय प्रणालियों में जल संसाधन की उपलब्धता की भविष्यवाणी करने के लिए आवश्यक है। अध्ययन बताता है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए बेहतर योजनाएं बनाने और जल संसाधनों की निगरानी करने की जरूरत है।

2050 तक पार्किंसन से प्रभावित होंगे 2.5 करोड़ लोग, बढ़ती बुजुर्ग आबादी बनी मुख्य कारण

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शोधकर्ताओं के मुताबिक, पार्किंसन के मरीजों की इस अनुमानित संख्या में 2021 के मुकाबले 112 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इस न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के दक्षिण एशिया में अनुमानित मामलों की संख्या 68 लाख होगी और यह क्षेत्र दुनिया में पार्किंसन के मरीजों के मामले में दूसरे स्थान पर रहेगा। दुनियाभर में 2.50 करोड़ से अधिक लोगों पर 2050 तक पार्किंसन बीमारी से ग्रस्त होने का खतरा मंडरा रहा है। इसकी सबसे अहम वजह तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी है। पुरुषों के इसकी चपेट में आने की आशंका अधिक है। चीन की कैपिटल मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं सहित अन्य शोधकर्ताओं के अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। इसके नतीजे ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।शोधकर्ताओं के मुताबिक, पार्किंसन के मरीजों की इस अनुमानित संख्या में 2021 के मुकाबले 112 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इस न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के दक्षिण एशिया में अनुमानित मामलों की संख्या 68 लाख होगी और यह क्षेत्र दुनिया में पार्किंसन के मरीजों के मामले में दूसरे स्थान पर रहेगा। वहीं, पूर्वी एशिया एक करोड़ से अधिक मामलों के साथ पहले नंबर पर होगा। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह अनुमान स्वास्थ्य अनुसंधान, नीतिगत फैसले और संसाधनों के सही इस्तेमाल में मदद कर सकता है। एजेंसी पार्किंसन बीमारी एक तंत्रिका तंत्र यानी नर्वस सिस्टम से जुड़ी बीमारी है। यह मस्तिष्क के गतिविधि को नियंत्रित करने वाले हिस्से को प्रभावित करती है। इस बीमारी में शरीर के अंगों में कंपकंपी और मांसपेशियों में जकड़न और रफ्तार धीमी हो जाती है। इसके साथ ही मरीज को सोचने, संतुलन बनाए रखने यानी चलने, खड़े होने, बात करने और बैठने में भी परेशानी होती है और हाथ व पैर लगातार हिलते रहते हैं। यह बोलने, याददाश्त और व्यवहार से जुड़ी परेशानियां भी पैदा कर सकती है। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2021 के डाटा का विश्लेषण किया। उन्होंने 2022 से 2050 के बीच 195 देशों और क्षेत्रों में इस बीमारी के बढ़ने के कारणों की जांच की। उन्होंने पाया कि बुजुर्ग आबादी का बढ़ना ही 90 फीसदी पार्किंसन के नए मामलों की मुख्य वजह होगा। शोध में यह भी पाया गया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इस बीमारी की संभावना कम होती है। पुरुषों और महिलाओं में पार्किंसन अनुपात 2021 में 1.46 था, जो 2050 तक 1.64 हो सकता है।

चक्र माधव मंदिर तथा सोमेश्वर महादेव मंदिर में कुम्भ काल में भरे गए कलश से जलाभिषेक किया

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री योगेश शुक्ल ने अमृत कलश यात्रा के क्रम में आज नैनी के अरेल क्षेत्र स्थित शूल टंकेश्वर महादेव मंदिर , श्री आदि वेणी माधव मंदिर , चक्र माधव मंदिर तथा सोमेश्वर महादेव मंदिर में कुम्भ काल में भरे गए कलश से जलाभिषेक किया।जलाभिषेक के बाद योगेश शुक्ल जी ने बताया कि यह सभी मंदिर प्राचीनतम हैं तथा इस सभी मंदिरों का समुचित उल्लेख पुराणों में वर्णित है। आदि काल से स्थापित इन सभी मंदिरों में आज अभिषेक करते हुए असीम आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यह यमुनापार के लिए सौभाग्य और गर्व की बात है कि प्रयाग राज के बारह माधवों में से चार माधव भगवान के मंदिर यमुनापार क्षेत्र में स्थित है ,जिसमें से श्री आदि वेणी माधव और चक्र माधव अरेल में , गदा माधव छिवकी में तथा पद्म माधव घूरपुर में स्थित हैं। श्री शुक्ल ने यह भी बताया कि योगी जी की सरकार इन सभी प्राचीन मंदिरों को भव्य रूप प्रदान कर रही है और इस कुंभ मेले के समय पूरी दुनिया के आए सनातनियों ने संगम स्नान के साथ साथ इन मंदिरों के भी दर्शन लाभ प्राप्त किए हैं।

मात्र चयन हो जाने से नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं होता, चयनित उम्मीदवारों की याचिका खारिज

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मात्र चयन हो जाने से किसी को भर्ती का अधिकार नहीं मिल जाता। भर्ती प्रक्रिया के लिए एक समय सीमा तय होनी चाहिए। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने टीजीटी भर्ती-2013 में नियुक्ति पत्र न पाने वाले अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवारों की ओर से दाखिल याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मात्र चयन हो जाने से किसी को भर्ती का अधिकार नहीं मिल जाता। भर्ती प्रक्रिया के लिए एक समय सीमा तय होनी चाहिए। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने टीजीटी भर्ती-2013 में नियुक्ति पत्र न पाने वाले अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवारों की ओर से दाखिल याचिका खारिज कर दी। यह आदेश सौरभ श्याम शमशेरी ने गोरखपुर के गौरव कुमार, अलीगढ़ के पंकज कुमार और 57 अन्य की याचिका पर दिया। याचियों का कहना था कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज की ओर से टीजीटी-2013 भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञापित पदों की संख्या घटाकर उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। इसके खिलाफ ही उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की। याची के अधिवक्ता अभिषेक कुमार सरोज, प्रभाकर अवस्थी और राहुल अग्रवाल ने दलील दी कि याची चयन बोर्ड की ओर से निकाले गए अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवार हैं। ऐसे में चयन बोर्ड को याचियों को नियुक्ति पत्र देना चाहिए। प्रतिवादी वकीलों ने दलील दी कि पदों की संख्या सत्यापित नहीं की गई थी और गलत तरीके से रिक्तियों की सूची में याचियों का नाम डाल दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि अब इस भर्ती प्रक्रिया को शुरू किए सालों बीत चुके हैं। इतने लंबे समय तक भर्ती प्रक्रिया को खुला रखना और अब नियुक्ति का निर्देश देना न्याय का उपहास होगा। कोर्ट ने पूर्व में दिए गए हाईकोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए याचिका खारिज कर दी।

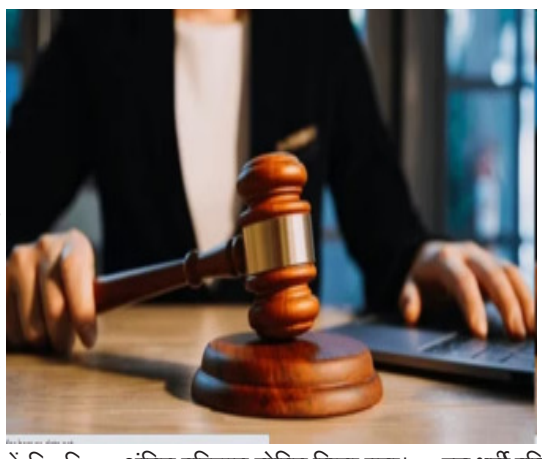

अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसके खिलाफ उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर चयन बोर्ड ने 2019 में 1167 चयनित उम्मीदवारों का अवशेष पैनल जारी किया। इसमें लगभग 860 उम्मीदवारों को नियुक्ति दे दी गई, लेकिन लगभग 307

पंजाब पुलिस को नहीं मिली ट्रांजिट रिमांड, अब कौशांबी जिला जेल की सेपरेट सेल में रहेगा आतंकी लजर मसीह

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। आतंकी लजर मसीह को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद

पंजाब पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड पर पंजाब ले जाने की भरपूर कोशिश की थी, लेकिन उन्हें नहीं मिल सकी।आतंकी लजर मसीह को कौशांबी जिला जेल के सेपरेट सेल में रखा गया है। यूपी के कौशांबी जिले के कोखराज थाना इलाके से बब्बर खालसा के आतंकी लजर मसीह की गिरफ्तारी के बाद रिमांड को लेकर यूपी व पंजाब पुलिस के बीच खींचतान लगी रही। पंजाब पुलिस ने आतंकी को ले जाने के लिए ट्रांजिट रिमांड की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद आतंकी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया गया, जहा इसे सेपरेट सेल में रखा गया है। कोखराज थाना क्षेत्र के सकाढ़ा तिराहा से गुरुवार की सुबह पकड़े गए आतंकी लजर मसीह को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद पंजाब पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड पर पंजाब ले जाने की भरपूर कोशिश की थी, लेकिन उन्हें नहीं मिल सकी। आतंकी पंजाब के अमृतसर जिला कोर्ट से पेशी के दौरान फरार हुआ था। यही कारण था कि गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस ने उसे अपने साथ ले जाने के लिए कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने ट्रांजिट रिमांड को खारिज कर दिया है। कोखराज थाना पुलिस ने आतंकी को कोर्ट में पेश कराया। कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में आतंकी को जेल भेज दिया है। आतंकी लजर मसीह को कौशांबी जिला जेल के सेपरेट सेल में रखा गया है। कौशांबी जिला जेल में हाई सिक्योरिटी सेल और व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते ऐसे लोगों को सेपरेट सेल में रखा जाता है। यहां सिंगल बैरिक में आतंकी को रखा गया है।

करेली में ठेकेदार की चाकुओं से गोदकर हत्या, शव को नवनिर्मित मकान में फेंक बाहर से लगाया ताला

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। करेली में एक ठेकेदार की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। उसका सिर भी वजनी वस्तु से बुरी तरह कुचला गया है।

ठेकेदार सलाउद्दीन बृहस्पतिवार दोपहर से ही लापता था। कातिलों ने हत्या के बाद शव को मोहल्ले में ही एक नवनिर्मित मकान में फेंकने के बाद बाहर से ताला लगा दिया। शुक्रवार को खून से लथपथ लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस छानबीन कर रही है। करेली के अंधीपुर गांव में ठेकेदार सलाहुद्दीन(55) की चाकू से गोदने के बाद सिर पर हथौड़ा मारकर हत्या कर दी गई। वह बृहस्पतिवार सुबह घर से निकले थे और फिर नहीं लौटे। रात में उनका शव नवनिर्मित मकान में मिला। पुलिस अज्ञात में केस दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।ठेकेदार एयरपोर्ट क्षेत्र के लखनपुर गांव के रहने वाले थे। वह ठेके पर मकान बनाने का काम करते थे। बेटे फैजान के मुताबिक, बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे के करीब वह साइट देखने की बात कहकर घर से निकले और फिर नहीं लौटे। दोपहर में उनका फोन भी बंद हो गया। शाम तक नहीं आने पर खोजबीन शुरू की गई लेकिन कुछ पता नहीं चला। दोपहर में फोन पर हुई बातचीत में उन्होंने ऐनुद्दीनपुर जाने की बात बताई थी। रात 10 बजे के करीब परिजन खोजबीन करते हुए वहां पहुंचे तो पानी की टंकी के पीछे सुनसान में उनकी बाइक खड़ी मिली। कुछ दूर पर एक मकान था जिसमें ताला बंद था। सूचना पर करेली पुलिस पहुंच गई। मकान का ताला तोड़कर पुलिस भीतर दाखिल हुई तो वहां ठेकेदार का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। पुलिस के मुताबिक, चाकू जैसे धारदार हथियार से उनके सीने व पेट में गोदा गया था। इसके साथ ही सिर में दाहिनी तरफ गहरा जख्म था। पास ही में एक हथौड़ा पड़ा मिला जिससे माना जा रहा है कि सिर में इसी से चोट पहुंचाई गई। पूछताछ में परिजनों ने किसी रंजिश की बात से इंकार किया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल किसी विवाद या दुश्मनी की बात सामने नहीं आई है। जांच पड़ताल की जा रही है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ठेकेदार को फोन कर किसी शख्स ने साइट दिखाने के लिए बुलाया था। शव मिलने के बाद से फिलहाल फोन करने वाले व्यक्ति का नंबर बंद है। उसकी तलाश की जा रही है। इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि कहीं बहाने से बुलाकर तो उनकी हत्या नहीं कर दी गई। फिलहाल वारदात की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। पुलिस का कहना है कि इसका पता लगाया जा रहा है।

सड़क हादसे में अधिवक्ता समेत तीन की मौत, प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर हुई दुर्घटना

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। मिर्जापुर-प्रयागराज हाईवे पर अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटना में एक अधिवक्ता समेत तीन लोगों की मौत हो गई। कंटेनर ट्रक की चपेट में आने से बरात में जा रहे बाइक

सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में तहसील से लौट रहे अधिवक्ता की जान चली गई। करछना थाना क्षेत्र के कचरी गांव के सामने मिर्जापुर-प्रयागराज हाईवे पर कंटेनर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। दोनों बारात में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, खाई गांव से बृहस्पतिवार को रामनगर के लिए बारात निकली थी। शादी में शामिल होने के लिए रात करीब साढ़े आठ बजे गांव के ही भोला कुशवाहा (40) पुत्र रोशन लाल तथा धर्मराज (45) पुत्र स्व. डंगर बाइक से निकले थे। कचरी गांव के सामने हाईवे पर पहुंचे थे कि शहर की ओर से तेज रफ्तार आ रहा कंटेनर ट्रक अनियंत्रित हो गया और बाइक सवारों को रौंदते हुए आगे बढ़ गया। आसपास वेञ लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे लेकिन मौके पर ही दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी होने पर भीरपुर रिपोर्टिंग पुलिस चौकी इंचार्ज अमित कुमार सिंह व मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों के शव को देख परिजन बिलख पड़े। चीख-पुकार मच गई। उधर, बारात में शामिल होने गए लोगों को घटना की जानकारी हुई तो वहां से काफी लोग घटनास्थल पर आ गए। लोगों में आक्रोश भी था। लेकिन पुलिस मृतकों के घर वालों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शवों को पोस्टमार्टम भेज दिया।

प्रयागराज में दूल्हे के साथ मारपीट, दुल्हन कार से उतरकर भागी, केस दर्ज

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। मिर्जापुर के लालगंज बनकी गांव से विवाह कर घर अलीगढ़ लौट रहे दूल्हे के साथ

ससुराल पक्ष के 11 आरोपियों ने मांडा खास चौराहे पर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान दुल्हन कार से उतरकर फरार हो गई। मिर्जापुर के लालगंज बनकी गांव से विवाह कर घर अलीगढ़ लौट रहे दूल्हे के साथ ससुराल पक्ष के 11 आरोपियों ने मांडा खास चौराहे पर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान दुल्हन कार से उतरकर फरार हो गई। दूल्हे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी। जनपद अलीगढ़, बिजौली, सिरसा निवासी प्रेमपाल सिंह पुत्र नेम सिंह ने मांडा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बनकी गांव की कंचन से उसकी शादी तय थी। वह नातेदारों के साथ बरात लेकर पहुंचा था। बीते बुधवार को विदाई के बाद वह घर लौट रहे थे। शाम करीब पांच बजे मांडा खास चौराहे पर ससुराल पक्ष के राजन, मोतीलाल, राजू, शुभम, शंभू शर्मा, मंजू, रीना, कंचन, नीरज, जमील सहित दशवार गांव के रघुराज ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच दुल्हन कंचन कार से उतरकर भाग निकली। काफी खोजबीन के बाद भी दुल्हन कुछ पता नहीं चला।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

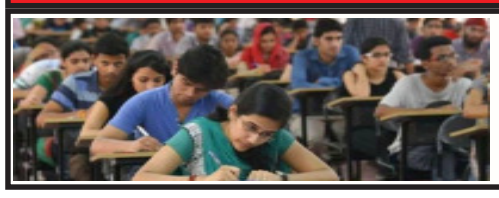

प्रदेश आस/पास

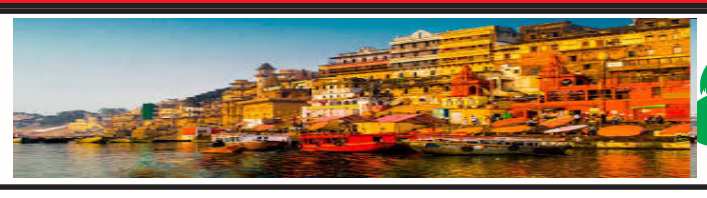

भारत

इजराइल, जर्मनी एवं जापान देश के लिए नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर कराये गये उपलब्ध

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। भारत सरकार एवं एन0एस0डी0सी0 के संयुक्त प्रयास से इजराइल, जर्मनी एवं जापान देश के लिए नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं जिसमें उ॰ँ/श्/उञ्ँ/.एम् ॑लगहु प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को आज रघुवीर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइन्स, लालगंज रायबरेली में जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली द्वारा कॅरियर काउन्सिलिंग का आयोजन किया गया, जिसमें जिला सेवायोजन अधिकारी विजय बहादुर सिंह सेंगर द्वारा नर्सिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों को रोजगार के संबंध में जानकारी दी गयी।इस संबंध में अर्हता प्राप्त इच्छुक अभ्यर्थियों को सेवायोजन विभाग के एकीकृत पोर्टल ro®aarsangamed.uped.goved.in पर जॉबसीकर के रूप में जाकर पंजीकरण कराना है। अन्य संबंधित सभी जानकारियों एवं नियम-शर्तें उक्त पोर्टल पर उपलब्ध हैं, इसकी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर जिला सेवायोजन कार्यालय के श्री सर्वेश कुमार राय, कॅरियर काउन्सिलिंग प्रभारी एवं श्री रामेन्द्र कुमार, वाई0पी0 द्वारा अभ्यर्थियों को आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य विवेक सिंह द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबन्धक डॉ0 मोनिका मिश्रा जी एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 227 जोड़ों का विवाह सकुशल संपन्न

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली में कार्यक्रम का आयोजन

किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा व परियोजना निदेशक, डीआरडीए सतीश चन्द्र मिश्रा द्वारा किया गया। इस सामूहिक विवाह समारोह में जिले के विभिन्न विकास खण्डों के 82 जोड़ों ने भाग लिया, जिसमें विकास खण्ड राही 18, अमावां 13, डलमऊ 13, दीनषाहगौरा 07, ऊंचाहार 15, जगतपुर 03 रोहनियां 10 एवं नगर पालिका परिषद रायबरेली 03 जोड़े सम्मिलित रहे। इसी क्रम में मिनी स्टेडिम सलोन में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामूहिक विवाह समारोह में विभिन्न विकास खण्डों के 54 जोड़ों ने भाग लिया, जिसमें विकास खण्ड सलोन 07, छतोह 11 डीह 33 एवं न0प0 परशदेपुर 03 जोड़े सम्मिलित रहे। विकास खण्ड सतांव के गन्ना कांटा मैदान में सामूहिक विवाह समारोह का शुभारंभ पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया। इस सामूहिक विवाह समारोह में विभिन्न विकास खण्डों के 91 जोड़ों ने भाग लिया, जिसमें विकास खण्ड बछरावां 25, हरचंदपुर 10, सतावं 02, खीरों 04, सरेनी 06, महाराजगंज 28, शिवगढ़ 11, न0प0 बछरावां 02, न0प0 शिवगढ़ 03 जोड़े सम्मिलित रहे।सामूहिक विवाह समारोह में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी जोड़ों को सात फेरे दिलाए और विवाह की पूरी रस्में निभाई। सामूहिक विवाह के दौरान अतिथियों व सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और सभी नव दंपतियों को नए वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी तथा प्रत्येक जोड़ो को वस्त्र, आभूषण (चांदी की पायल, बिछिया) स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, वैनिटी किट, दीवार घड़ी, ट्रॉली बैग उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने बताया कि आज के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 227 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है, यह शासन की प्राथमिकता की महत्वपूर्ण योजना है, इस योजना के तहत प्रति जोड़ों के लिए 51000 की धनराशि अनुमन्य है, जिसके अंतर्गत 35000 रुपए कन्या के खाते में हस्तांतरित किए जाते हैं, 10000 रूपए से नव विवाहित जोड़ों को घरेलू व व्यक्तिगत रूप से प्रयोग करने हेतु सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की जाती है तथा 6000 रूपए कार्यक्रम आयोजन एवं अन्य व्यवस्था पर व्यय किए जाते हैं।

बच्चों का भविष्य उनके विद्यालय का आंगन :सांसद राम सकल

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान(डायट)परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद राम सकल व जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह , मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी , जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह सहित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडे अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन से किया गया। तत्पश्चात समस्त अतिथियों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग एवं बाल विकास व पुष्टाहार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस उत्सव कार्यक्रम में एक तरफ कस्तूरबा गांधी विद्यालय परिवार की छात्राओं के द्वारा सुंदर स्वागत गीत ,सरस्वती वंदना सहित हर हर शंभू के मनमोहक नृत्य व गीत के कार्यक्रमों ने समां बाधा वही वक्ताओं की कड़ी में एसआरजी संजय मिश्र व एआरपी हृदेश कुमार सिंह द्वारा निपुण भारत मिशन व राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्यों , प्री प्राइमरी शिक्षा में राज्य के प्रयासों सहित स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम तो आंगनबाड़ी केदो में दी जा रही है बच्चों को तकनीकी शिक्षा के विविध आयामों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला । इस मौके पर कंपोजिट विद्यालय तेलजर विकासखंड म्योरपुर के शिक्षक शंभू नाथ द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चों के मन, विचार व कल्पनाओं पर आधारित पुस्तक किंचित बालमन का विमोचन सांसद सहित समस्त गणमान्य अतिथियों के कर कमलों द्वारा भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अन्य प्रस्तुतियों में विकासखंड नगवा एवं रॉबट्र्सगंज की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों , शिक्षिकाओं व एआरपी संजय जायसवाल के द्वारा एक सुंदर नाटक की प्रस्तुति व वंडर बॉक्स की तकनीकी प्रस्तुति शिक्षिका बीना रानी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उद्बबोधन सत्र में खंड शिक्षा अधिकारी नगवा द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 व स्कूल रीडीनेस प्रोग्राम सहित आयु वर्ग 3 से 6 वर्ष के बच्चों के तकनीकी पूर्ण पठन-पाठन पर विचार रखें वहीं दूसरी तरफ खंड शिक्षा अधिकारी बभनी पी0

एस0 राम द्वारा सुंदर गतिविधियों और गीत की प्रस्तुति की गई। संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक व जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) जय किशोर वर्मा द्वारा जनपद को निपुण जनपद बनाए जाने संदर्भित समीक्षात्मक व्याख्या करते हुए अति शीघ्र कार्य पूर्ण करने हेतु शिक्षक, शिक्षिकाओं अभिभावकों व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आवाहन किया। आज के आयोजन में सभी विकासखण्डों से नोडल शिक्षक ,नोडल शिक्षक संकुल ,आंगनवाड़ी सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सहित दो निपुण बच्चों को स्टेशनरी किट, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। आज के आयोजन में समस्त विकास खण्डों के आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी गण, डायट प्रवक्ता गणों, डीसी, एम डी एम व बालिका शिक्षा , कस्तूरबा गांधी विद्यालय परिवार की शिक्षिकाये , बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहित सैकड़ो की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन सत्र में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कार्यक्रम को सकुशल रूप में पूर्ण कराने हेतु समस्त जनों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 विधायक सदर, अदिति सिंह, मा0 जिला पंचायत

अध्यक्ष रंजना चौधरी, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर ''शक्ति संवाद'' कार्यकम का अयोजन किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यकम का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात कम्पोजिट विद्यालय भुएमऊ की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। मा0 विधायक सदर ने अपने वक्तव्य में कहा कि बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में उ0प्र0 सरकार सदैव तत्पर है। बालिकाएं बालको से कम नही है। मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा बालिकाओं से कहा कि सतर्क रहें-सुरक्षित रहें एवं समस्या में 1090 तथा 112 पर कॉल करें। ''बेटी बचाओं बेटी पढाओं'' योजना के अन्तर्गत अतिथियों द्वारा छात्राओं एवं महिलाओं के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली 51 महिलाओं को अंग वस्तत्रम् देकर सम्मानित किया गया।कार्याक्रम में जिला प्राबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पन्नालाल, महिला थानाध्यक्ष, सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति, रिर्सांस पर्सन एस0एस0 पाण्डेय, संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल आदि लोग उपस्थित रहें। तत्पश्चात जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

बरातियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा महिलाओं के साथ की गंदी हरकत, युवक की मौत

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
बलिया। विवाह के दौरान मारपीट के बाद युवक की मौत की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। इससे पहले परिजनों ने बस स्टेशन चौराहा पर चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बलिया में सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के चकखान गांव में बीती रात बरातियों के साथ हुई मारपीट में सहबलिया की मौत हो गई। वहीं, दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस रात में ही भेज दिया। घटना से

आक्रोशित वर व वधू पक्ष के लोग शनिवार की सुबह बस स्टेशन चौराहा पर सड़क पर बैठ गए। शव को सिकंदरपुर ले आने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सूचना पाकर पहुंचे एसएचओ विकास चंद्र पांडेय व चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश तिवारी ने समझा बूझकर शांत कराया।थाना क्षेत्र के चकखान गांव निवासी श्रीभगवान राजभर की पुत्री काजल की शादी पकड़ी थाना क्षेत्र के मुजही गांव निवासी सुलाभ राजभर के पुत्र रोहित के साथ तय थी। तय समय के अनुसार, बरात मुजही से निकल कर चकखान पहुंची। लड़की पक्ष के लोग द्वारपूजा के बाद बारातियों की आवभगत में थे।

डीएम व एसपी ने महाकुंभ के पवित्र गंगाजल के वितरण का किया शुभारंभ

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। शासन के निर्देशानुसार महाकुम्भ मेला प्रयागराज 2025 की समाप्ति के पश्चात एक फायर टेण्डर तहसील महाराजगंज, लालगंज में पवित्र अमृत गंगाजल के वितरण का कार्य करेगा एवं दूसरे

फायर टेण्डर द्वारा सलोन,ऊँचाहार होते हुए डलमऊ तहसील में श्रद्धालुओं को पवित्र अमृत गंगाजल का वितरण किया जायेगा। अन्त में दोनो ही फायर टेण्डरों में बचे हुए पवित्र अमृत गंगाजल को रायबरेली जनपद में स्थित प्रसिद्ध व ऐतिहासिक शिव मंदिर बाबा बालेश्वर धाम परिसर स्थित कुण्ड में डाला जाएगा जिससे जनपद के ऐसे श्रद्धालु जो किसी कारणवश प्रयागराज महाकुम्भ में अमृत स्नान नहीं कर सकें, वह भी आकर अमृत स्नान करते हुए पुण्य अर्जित कर सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी एस0के0 सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

उपरान्त जो श्रद्धालु किन्ही कारणों से महाकुम्भ मेला प्रयागराज में अमृत स्नान करने नही पहुँच पाये है, उन श्रद्धालुओं को महाकुम्भ मेला में ड्यूटी में गये फायर टेण्डरों के माध्यम से उनके जनपद में प्रयागराज महाकुम्भ से पवित्र अमृत गंगाजल को वितरित करने के लिए लगाया गया है, जनपद में श्रद्धालुओं को वितरण हेतु दो फायर टेण्डरों से प्रयागराज महाकुम्भ का पवित्र अमृत गंगाजल उपलब्ध कराया गया है, जिसे श्रद्धालुओं को वितरित करने का शुभारम्भ कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में पवित्र अमृत गंगाजल वितरण के

मादक पदार्थ कि तस्करी करने वाले दो अन्तर्राज्ययी गाजा तस्करो को किया गया गिरफ्तार

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। एसओजी/ सर्विलांस टीम व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 02 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार, एक अदद डीसीएम ट्रक से कुल 02

क्विन्टल 65 किग्रा मादक पदार्थ (गांजा व ट्रक की कुल अनुमानित कीमत रुपये 75 लाख) बरामद- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस के निरन्तर प्रहार की कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के पर्यवेक्षण में एसओजी/ सर्विलांस टीम व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर दिनांक 06.03.2025 को समय 21.40 बजे वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर बिहारी ढाबा व मम्मी ढाबा के बीच में खड़ी एक अदद ट्रक डीसीएम संख्र्यीए 25 णि् 2061 से 02-02 किलोग्राम के 85 बंडल व 01-01 किलोग्राम के 95 बंडल में कुल 2 क्विन्टल 65 किग्रा अवैध गांजा (अनुमानित कीमत रुपया 53 लाख) के साथ 02 नफर अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया । शेष लिप्त लोगों की तलाश की जा रही है। इस बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-236/2025 धारा 8/20/27ए/29/60 उ्रूर्इ ू का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।**पूछताछ का विवरण-** गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि हम लोगो की गाड़ी मे गांजा (मादक पदार्थ) लदा हुआ है, जो टीन सेड वेल्डिंग करके जाम कर बनाई गयी स्कीम के अन्दर रखा हुआ है । ट्रक के पीछे वाले दरवाजे को पकड़े गये दोनो व्यक्तियों से खोलवा कर टीन सेट वेल्डिंग कर बनाई गयी स्कीम के टीन सेड को तोड़ कर चेक किया गया तो ट्रक के अन्दर प्लास्टिक के टेप से लिपटे हुए छोटे बड़े बंडल पाये गये,02- 02 किलो ग्राम 85 बंडल व 01- 01 किलो ग्राम के 95 बंडल कुल 2 कुन्तल 65 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ । गांजा के सम्बन्ध मे पूछने पर दोनो व्यक्तियों ने बताया कि दिनांक- 28.02.2025 को हम लोग पंजाब से वाराणसी आये और वाराणसी में एक व्यक्ति मिट्ठू निवासी रायकोट मिला, उसने हम लोगों को गाड़ी दिया और गाड़ी मालिक जसविंदर सिंह जस्सा निवासी बरनाला ट्राई डेल्टा तौलिया फैक्ट्री, पंजाब व मिट्ठू गाड़ी देने के बाद बताया कि बलांगीर, उड़िसा जाना है तुम लोग जाओ वहां पर हमारे आदमी हैं, वहां से गांजा लाना है । वहीं से गांजा गाड़ी में लोड़ करवा कर ले आकर हम लोगो को गाड़ी दिया और बताया कि तुम लोग इस गाड़ी को प्रयागराज पहुँचा दो तुम लोगों को 1.50 लाख रुपया मिल जायेगा । **गिरफ्तार अभियुक्त गण का विवरण -** 1. जगदीश सिंह पुत्र तारा सिंह निवासी संगेड़ा, थाना सिटी बरनाला, जनपद बरनाला, पंजाब उम्र करीब 34 वर्ष । 2. बलजिन्दर सिंह उर्फ बावला पुत्र सरदार कुलविन्दर सिंह निवासी संगेड़ा, थाना सिटी बरनाला, जनपद बरनाला पंजाब उम्र करीब 38 वर्ष । **वांछित अभियुक्त गण का विवरण -** 1. वाहन मालिक जसविंदर सिंह जस्सा पुत्र अज्ञात निवासी बरनाला ट्राई डेल्टा तौलिया फैक्ट्री, पंजाब । 2. मिट्ठू पुत्र अज्ञात निवासी रायकोट, पंजाब । **बरामदगी का विवरण -** 1. 02 क्विन्टल 65 किग्रा गांजा (कीमत 55 लाख रूपये) 2. एक अदद ट्रक संख्र्यीए 25 णि् 2061 (अनुमानित कीमत 20 लाख रूपये) **गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण -** 1. प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र कुमार राय, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 2. निरीक्षक राम स्वरूप वर्मा, प्रभारी एसओजी, जनपद सोनभद्र । 3. निरीक्षक नागेश सिंह, प्रभारी सर्विलांस, जनपद सोनभद्र । 4. उ0नि0 बृजेश कुमार दूबे, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 5. उ0नि0 संजय सिंह, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 5. हे0का0 सतीश पटेल, हे0का0 संजय चौहान, का0 रितेश पटेल, का0 प्रेम कुमार चौरसिया, का0 अजीत यादव, एसओजी टीम जनपद सोनभद्र ।

भाजपा पीडीए समुदाय को खत्म करना चाहती है:छोटेलाल खरवार

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहार यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र पर की गई जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम

निहोर यादव ने किया एवं संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए जन पंचायत अनवर चलता रहेगा । इसलिए समाजवादी पार्टी के एक-एक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि आप लोग अपने-अपने क्षेत्र में पीडीए जन पंचायत के माध्यम से जनता को जागरूक करने का काम करें । बैठक को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि भाजपा पीडीए समुदाय को खत्म करना चाहती है । यह सरकार केवल पूंजीपतियों की सरकार है। इसे किसान नौजवान आदिवासी गरीब मजदूर के लोगों से कोई लेना देना नहीं है बैठक के अंत में 2 मिनट का शोक संवेदना व्यक्त किया गया और ईश्वर से प्रार्थना की गई की बालेश्वर यादव की आत्मा को शांति प्रदान करें एवं इस दुख की घड़ी में उनके परिवार वालों को ईश्वर सहन की शक्ति प्रदान करें। बैठक को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र बहादुर सिंह पटेल श्याम बिहारी यादव संजय यादव पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह पटेल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव अनिल प्रधान वेदमनी डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल अशोक पटेल त्रिपुरारी गौड़ बाबूलाल यादव मन्नू पांडे महिला सभा जिला अध्यक्ष गीता गौर अजय रवि कुमार गौड़ कुमारी मंदाकिनी पांडे कुमारी निधि पांडे पीयूष यादव बिंदु यादव सत्यम पांडे फारूक अली जिलानी कृपा शंकर चौहान के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे ।

रासलीला के नौवें दिन बृज की लट्ठमार होली का हुआ जीवंत मंचन

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। नगर स्थित रामलीला मैदान आयोजित नौ दिवसीय श्री कृष्ण रासलीला का समापन

गुरूवार की देर रात कंस वध और विश्व प्रसिद्ध ब्रज की लट्ठमार होली के जीवंत मंचन के साथ हुआ। कलाकारों ने दिखाया कि ब्रज की गोपियां भगवान कृष्ण और उनके सखाओं को होली खेलने का आमंत्रण देती हैं। जिसके बाद कृष्ण सखाओं के साथ होली खेलने पहुंचते हैं। जहां गोपियां सभी सखाओं और कृष्ण के साथ फूल की होली खेलती हैं। इस बीच गोपियां सखाओं के संग सुंदर लट्ठमार होली लीला का मंचन देखकर मंत्रमुग्ध हुए कलाकारों ने ब्रज में होली है रसिया, होली खेले तो आय जइयो कृष्ण मुरारी, कान्हा बरसाने में बुलावै राधा प्यारी जैसे भजनों को गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंचन के दौरान कलाकारों ने आकर्षक मयूर नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें श्री कृष्ण राधरानी की दिव्य एवं अलौकिक झांकी का दर्शन कर श्रद्धालू भक्ति रस में सराबोर कर दिया। लीला मंचन के अंत में भगवान राधाकृष्ण पर सभी गोपियां और बाल सखा फूलों की वर्षा करते रहें वहीं भारी संख्या में उपस्थित भक्तों ने राधे-कृष्ण की आरती उतार लोक कल्याण की मंगल कामना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से जितेन्द्र सिंह, रामप्रसाद यादव, पवन जैन, दीपक कुमार केसरवानी, राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, सत्येन्द्र पांडे, विमल अग्रवाल, विनोद कानोडिया अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्लास्टिक मुक्त अभियान से जुड़ेगी समूह की 1 लाख 65 हजार दीदियां:डीपीआरओ

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।प्लास्टिक मुक्त पंचायत अभियान का दायरा और बढ़ने लगा है इस अभियान में राज्य आजीविका मिशन एन आर एल एम के द्वारा जनपद में 1 लाख 65 हजार

समूह की सदस्य (दीदियां) हैं जो इस अभियान से जुड़कर प्लास्टिक कलेक्शन एवं सेग्रीगेशन के लिए अपने घरों पर बोरी लगाने का कार्य शुरू किया। आज ग्राम पंचायत लोढ़ी के पंचायत भवन पर ग्राम पंचायत में समूह के सभी महिलाओं की बैठक जिला पंचायत राज अधिकारी नामित शरण एवं सरिता सिंह डीसी एनआरएलएम ने संयुक्त रूप से किया। जिला पंचायत अधिकारी ने बताया कि घरों में प्लास्टिक का प्रबंध करने की मुख्य भूमिका महिलाओं की है क्योंकि महिलाएं ही प्लास्टिक में से सामान खाली कर उसको बाहर फेंकती है तथा उसमें अन्य सामग्री भी रखती हैं। घर में महिलाएं ही मुखिया है वहीं घर के काम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाएं अगर ठान जाए तो प्लास्टिक को हम खुले वातावरण में आने से बचा सकते हैं। आज सभी समूह की महिलाएं इस कार्य में आगे आ रही हैं, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर महिलाओं को सशक्त करने के साथ ही हम उनको अपने पर्यावरण से भी जोड़ रहे हैं एवं जनपद को प्लास्टिक मुक्त बनाने के अभियान में समूह भी एक हिस्सा बन रही है। डीसी एनआरएलएम सरिता सिंह ने बताया कि जनपद में 1 लाख 65 हजार समूह की दीदियां है जो कल अपने घरों पर बोरी बोरी टांग कर प्लास्टिक के प्रबंधन का कार्य करेंगी। यह एक अच्छा अवसर है कि हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में इसकी शुरुआत कर रहे हैं हमें सफाई एवं स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बैठक में डीसी अनिल केसरी ने प्लास्टिक, बोरी एवं कूड़े के प्रबंधन का डेमोंस्ट्रेट कर लोगों को समझाया कि कैसे हम सड़ने वाले कूड़े को प्लास्टिक में भरकर फेंकते हैं और असल में वही कूड़ा बन जाता है हमें कूड़े को प्लास्टिक से अलग करते हुए प्लास्टिक को अपने घर पर टंगी हुई बोरी में ही रखना है।।यह हमारे लिए सबसे जरूरी है। जिससे कि हम प्लास्टिक को घर पर ही सैरीगेट कर इसका प्रबंध कर सकें। डीसी एम जी रवि ने सभी का आह्वान किया कि बोरी लगाने के इस अभियान में अपने साथ आप पास के सभी दीदियों के साथ ग्राम के सभी महिलाओं को इससे जोड़े। जनपद में प्लास्टिक कलेक्शन के लिए समूह के एक दीदी के घर पर जिला पंचायत राज अधिकारी एवं डीसी एनआरएलएम ने स्वयं बोरी टांग कर इस अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी पंचायत रावटसगंज महिपाल लकड़ा, अनूप पाल, पूर्व ग्राम प्रधान शमशेर बहादुर सिंह, सचिव प्रवीण कुमार सहित तमाम ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग मे नवाचार की कार्यशाला का समापन

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग में एक सप्ताह के कार्यशाला का आयोजन दिनांक 3 मार्च से 7 मार्च तक किया

गया । कार्यक्रम की अंतिम दिन आई.आई.आई.टी. डी. एम. कुन्नूर के डॉ. विनय तिवारी , बी. बी. ए. यू. लखनऊ के डॉ.मंगलदीप ने विवाडो एवं मैटलैब का प्रयोग करते हुए फिल्टर डीजाइन , इमेज प्रोसेसिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग पर हैंड्स ऑन करते हुए प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर जेके इंस्टीट्यूट प्रयागराज के प्रो. तरुण गुप्ता ने छात्रों को वी यल एस आई सर्किट की जानकारी दी। संयोजक डॉ0 डी. के. त्रिपाठी ने बताया कि इस संकाय विकास कार्यक्रम में 5 से अधिक संस्थाओं के 70 सहायक प्राध्यापकों , शोध छात्रों , इंजीनियरिंग छात्रों ने प्रतिभाग किया है। कार्यक्रम में आईआईटी एन आई टी, केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10 प्राध्यापकों ने विभिन्न नवाचारों पर व्याख्यान दिया । कार्यक्रम के समापन समारोह में कुलसचिव डॉ आमोद तिवारी अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ हिमांशु कटियार ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की त् कार्यक्रम का संचालन प्रशांत पांडे तथा डॉ पीके वर्मा ने किया। संस्था के निदेशक प्रोफेसर जीएस तोमर ने संकाय विकास कार्यक्रम को मानविकी विकास के क्षेत्र में योगदान के लिए सराहा। छात्र-छात्राओं ने एएमडी `ब्ल्र्हे के ट्रेनर द्वारा हार्डवेयर इंप्लीमेंटेशन की सराहना किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्डॉ0 अभिनव, दीपक, सिकंदर, भावना त्रिवेदी, अमरीश त्रिपाठी शांतेश्वर, आशीष, राहुल का योगदान सराहनीय रहा।

डिजिटल युग में हम सभी को संबंधी उपकरणों की जानकारी होनी चाहिए:डॉक्टर छोटेलाल

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

शक्तिनगर। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर , शक्ति नगर , सोनभद्र के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय की ओर से आयोजित सात दिवसीय

विशेष शिविर (दिन रात) के चौथे दिन डिजिटल अवेयरनेस के बारे में विधिवत जानकारी दी गईत् चिल्का टांड स्थित पंचायत भवन में आयोजित शिविर के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के सहायक आचार्य डॉक्टर छोटेलाल प्रसाद ने ठ डिजिटल युग में भारत ठ विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आज डिजिटल मीडिया का दौर है ऐसे में हम सब लोगों को जागरूक रहने की जरूरत हैत् आज का दौरा बड़ा संवेदनशील है, ऐसे में खासकर युवाओं को सजग और जागरूक रहने की जरूरत है अन्यथा विकास के मुख्य धारा से अपने को जोड़ नहीं सकतेत् शिविर के दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया शक्तिनगर शाखा के प्रबंधक रवि शुक्ला ने कहा की आज के युग में मोबाइल बैंकिंग का जमाना है आप घर बैठे अपने मोबाइल से लेनदेन कर सकते हैं त् उन्होंने कहा कि डिजिटल बैंकिंग के दौर में आपको लेनदेन करते समय बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है अन्यथा इसका खामियाजा भुगतना भी पड़ सकता है त् श्री शुक्ल ने कहा कि डिजिटल युग में हम सभी को डिजिटल संबंधी उपकरणों की जानकारी होनी चाहिए ताकि हम अपने को सुरक्षित रख सकें और देश को भी सुरक्षित बना सके त् इसके पूर्व शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा सरस्वती वंदना से हुआ त् अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रभाकर लाल ने किया त् इस अवसर पर सहायक आचार्य अभिषेक कुमार ने भी समारोह को संबोधित कियात् शिविर में मुख्य रूप से ज्योति, हिमांशु , आर चित्र , अंतिम श्रीवास्तव, पूनम गरिमा, अनामिका आदि ने बहुमूल्य योगदान दिया।

पीएम मोदी के जन आरोग्य के उद्देश्यों को साकार कर रही जन औषधि: भूपेश चौबे

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले में 7वां जन औषधि दिवस समारोह पीएम मोदी के जन

आरोग्य के उद्देश्यों को मजबूती देने के संकल्प के साथ मनाया गया। राबर्ट्सगंज रोडवेज रोड स्थित जन औषधि केंद्र पर हुए समारोह में मुख्यअतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने आम जन को जन औषधि के उद्देश्यों और उसके फायदे बताए। कहा कि गरीबों को सस्ती और उच्चगुणवत्ता युक्त दवा मिले, इसके लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में शहरों से गांवों तक जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। आम जन के उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए जन औषधि परियोजना से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक ऐतिहासिक पहल इस सरकार ने किए हैं, जिनका लाभ करोड़ों देशवासी उठा रहे हैं। जन औषधि परियोजना को गरीबों, जरूरतमंदों के लिए वरदान बताते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि गरीबों के लिए महंगी दवाओं के बोझ के दर्द को पीएम मोदी ने समझा। किसी गरीब-जरूरतमंद को जीवनरक्षक दवाओं के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए पीएम मोदी ने सात वर्ष पहले जन औषधि परियोजना की नींव रखी। आज 15 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों का नेटवर्क देश भर में हैं। आज जन औषधि पर आम जन का लगातार बढ़ता विश्वास पीएम मोदी के विकसित भारत, स्वस्थ भारत और समृद्ध भारत के संकल्पों को ताकत दे रहा है। जरूरी दवाओं से महिला हाईजीन तक जन औषधि के जरिए आम जन को सहूलियतें मिल रही हैं। जन औषधि केंद्रों की सस्ती और अच्छी दवाओं ने अब तक आम जनता के हजारों करोड़ रूपये बचाए हैं। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए समर्पित है, जन औषधि परियोजना इन्हीं उद्देश्यों की एक मजबूत कड़ी है। पीएम मोदी के प्रयासों ने जन औषधि के जरिए देश के करोड़ों परिवारों को राहत पहुंचाई है और उन्हें महंगी दवाओं के बोझ से उबारा है। सदर विधायक भूपेश चौबे और नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद के साथ अदएस नेता दिनेश बियार, नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद जायसवाल, अनीता मौर्य और पंडित रमा शंकर शुक्ल को जन औषधि मित्र सम्मान से नवाजा गया। जन औषधि मित्र अभियान और तरनि फाउंडेशन फार लाइफ के तत्वावधान में हुए इस समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार पंडित अजयशेखर, पूर्व विधायक तीरथराज, व्यापार मंडल के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह चंदेल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी, सभासद चंद्रप्रकाश दुबे और डा. एएन पांडेय समेत बड़ी संख्या में जन औषधि मित्र शामिल हुए। आयोजन का संचालन फार्मेसिस्ट राजेश सिंह गौतम और प्रतीक मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विनय सिंह ने किया।

कृत्रिम अग व सहायक उपकरण शिविर आयोजन मे 37 ट्राईसाईकिल का वितरण किया गया

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन पंचायत भवन परिसर

जुगैल में किया गया। उक्त शिविर में मुख्य अतिथि मा0संजीव कुमार गोंड राज्य मंत्री समाज कल्याण एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश के कर-कमलो द्वारा 37 ट्राईसाईकिल, 10 व्हील चेयर, 25 जोड़ी बैसाखी, 01 लेप्रोसी कीट इत्यादी का वितरण किया गया। उक्त वितरण कार्यक्रम में अधोहस्ताक्षरी के अतिरिक्त श्रीमती सुनीता यादव ग्राम प्रधान, दीपक पाण्डेय ग्राम पंचायत अधिकारी, दिनेश यादव, प्रधान प्रतिनिधि एवं दिव्यांगजन कार्यालय के सहायक सुयश कुमार शुक्ला, सहायक अध्यापक एल0टी0ग्रेड कनिष्ठ सहायक, गोलू कुमार, विनय कुमार शर्मा, गुफरान अहमद इत्यादी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने अजीत रावत को आभार व्यक्त पत्र से किया सम्मानित

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली जीत पर दिल्ली के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सचदेवा

द्वारा सभी पदाधिकारी हुआ कार्यकर्ताओं को आभार व्यक्त पत्र देकर किया गया उसी क्रम में जनपद सोनभद्र के सक्रिय युवा नेता अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्रीय अध्यक्ष व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में प्रचार-प्रसार एवं चुनावी रणनीति बनाने एवं उसको सफल बनाने में आपकी अहम भूमिका रही है। प्रधानमंत्री , राष्ट्रीय अध्यक्ष , गृहमंत्री , केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जनसभा एवं अन्य छोटी-बड़ी बैठकों के माध्यम से दिल्ली में भाजपा की जीत को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपने प्रवासी कार्यकर्ता होने के नाते दिल्ली में संगठन हित में जो दिन-रात पार्टी के प्रचार-प्रसार हेतु कार्य किया है वह वंदनीय है। आपके अथक प्रयासों से दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की 27 वर्षों के बाद सरकार बनी है। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता एवं समर्थकों के साथ दिल्ली की जनता का भाजपा एवं प्रधानमंत्री पर अटूट विश्वास उजागर होता है। अब दिल्ली में भी डबल इंजन की सरकार, दिल्ली की जनता के हित में कार्य करेगी और दिल्ली की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। पुनः एक बार आपके सहयोग एवं स्नेह के लिये आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

प्राथमिक स्तर पर बच्चों को निपुण बनाना शिक्षकों का लक्ष्य - आशा भारती

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज विकासखंड के बहुआर न्याय पंचायत अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय भुराईनटोला के प्रांगण में गुरुवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया बतौर मुख्य अतिथि एआरपी आशा भारती द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया । बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना जयति जयति मां सरस्वती के पश्चात एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया। नन्हे बच्चों द्वारा लाठी लेकर भालू आया छम छम छम कविता पर मंचन कर श्रोताओं का मन मोहा और सवेरे सवेरे स्कूल चले हम की प्रस्तुति पर परिसर तालियों से गूंज उठा। बतौर मुख्य अतिथि आशा भारती ने कहा प्राथमिक स्तर पर बच्चों को मजबूती प्रदान करना हम सभी का लक्ष्य है । शिक्षक अभिभावकों से संपर्क करें और परिषद के शिक्षा की गुणवत्ता की जानकारी से अवगत कराए जिससे बच्चों का अधिक से अधिक ठहराव विद्यालयों में बना रहे एवं नये शिक्षण सत्र से अधिकतम नये नामांकन दर्ज कराएं । राष्ट्र निर्माण हेतु भावी पीढ़ी का सृजन करने में शिक्षक शिक्षिकाओं की अहम भूमिका होती है । समाज के हर वर्ग के बच्चे शिक्षा से जुड़कर आगे बढ़कर राष्ट्रहित में कार्य कर सके इसके लिए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है । मुख्य अतिथि आशा ने अभिभावकों से अपील किया कि इस मुहिम में वे शिक्षकों का सदैव साथ दें और बच्चों को निरंतर समय से विद्यालय भेजें जिससे बच्चों का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। इस दौरान प्रधानाध्यापिका उषा रानी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की मनसा अनुरूप समस्त शिक्षक आज अपने बच्चों को निपुण बनाने में हर संभव कोशिश कर रहे हैं जिसमें अभिभावकों का सहयोग प्रदान करना अति अनिवार्य है । कार्यक्रम का संचालन शिक्षा मित्र मेनका देवी ने किया ।

स्पोर्ट्स

अब तक 14 बार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंच चुका है भारत, सातवें खिताब पर टिकी होंगी नजरें

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत का पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 विश्व कप में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था जो 11 वर्षों में उसका पहला आईसीसी खिताब था। अब आठ महीने बाद ही टीम दूसरे आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है और खिताब के बेहद करीब है। रोहित शर्मा

की अगुआई में भारतीय टीम एक और आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है जहां उसका सामना रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय इस टूर्नामेंट में अब तक अजेय चल रही है और लगातार चार मैच जीतकर फाइनल में पहुंची है। भारत अब खिताब से एक कदम दूर है। भारत का पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 विश्व कप में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था जो 11 वर्षों में उसका पहला आईसीसी खिताब था। अब आठ महीने बाद ही टीम दूसरे आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है और खिताब के बेहद करीब है। भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती हालांकि आसान नहीं रहने वाली है क्योंकि इसी टीम ने करीब चार साल पहले 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में हराया था। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। पिछले कुछ वर्षों में भारत का आईसीसी टूर्नामेंट्स में दबदबा रहा है। भारत भले ही खिताब जीतने के मौके से चूकता रहा है, लेकिन लगातार नॉकआउट मैचों में पहुंचने में सफल रहा है। 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी हुई थी तब भी भारत फाइनल मे पहुंचा था, लेकिन खिताब जीतने से चूक गया था। इसके बाद टीम 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा जहां न्यूजीलैंड ने उसे हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया। 2021 में पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी भारत को हार मिली। फिर 2023 डब्ल्यूटीसी फाइनल और 2023 में वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने हराया। भारत का आईसीसी खिताब जीतने का सूखा 2024 में समाप्त हुआ जब टीम इंडिया ने रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता। भारत ने पहली बार 1983 में कपिल देव की अगुआई में विश्व कप का खिताब जीता था जो उसका पहला आईसीसी खिताब था। इसके बाद टीम 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची, लेकिन न्यूजीलैंड से हार गई। 2002 में इसी टूर्नामेंट में श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता बनी। इसके अगले ही साल भारतीय टीम 2003 में सौरव गांगुली की अगुआई में वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन देश का सपना एक बार फिर टूट गया और टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलनी पड़ी। 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में भारत ने पहले टी20 विश्व कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराया। इसके ठीक चार साल बाद धोनी की ही कप्तानी में भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए 2011 वनडे विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता। धोनी की अगुआई में फिर 2013 में भारत ने इंग्लैंड को चैंपियंस ट्रॉफी में हराया। यह धोनी की कप्तानी में भारत का तीसरा आईसीसी खिताब था। इसके बाद भारतीय टीम खिताब के लिए तरस गई। भारत को 2014 टी20 विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका से हार मिली। वहीं, 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने हराया। 2021 डब्ल्यूटीसी फाइनल और 2023 डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी टीम हारी, जबकि घरेलू मैदान पर 2023 वनडे विश्व कप के खिताबी मैच में भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, बारबाडोस के मैदान पर भारत का यह खिताबी सूखा पिछले साल समाप्त हुआ और अब देश को एक और आईसीसी खिताब की आस है। भारत चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल से पहले सभी प्रारूप मिलाकर कुल 13 बार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंचा है। इसमें से छह बार टीम खिताब जीतने में सफल रही है। भारत ने 1983, 2002, 2007, 2011, 2013 और 2024 में आईसीसी खिताब जीते हैं। अगर भारत रविवार को न्यूजीलैंड को हराने में सफल रहा तो यह उसका सातवां आईसीसी खिताब होगा, जबकि रोहित की कप्तानी में लगातार दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी।

हीली मैथ्यूज के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती मुंबई, यूपी को छह विकेट से हराया, अमेलिया कर भी चमकीं

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 150 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 153 रन बनाए और मैच जीत लिया। मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हराकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला प्रीमियर लीग का 16वां मैच गुरुवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला गया। इस दौरान टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 150 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 153 रन बनाए और मैच जीत लिया। मुंबई इंडियंस ने इस जीत से अपने नेट रन रेट में इजाफा किया और वह आठ अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। वह शीर्ष पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स से दो अंक पीछे है और उसका एक मैच भी बचा है। उसके पास शीर्ष पर पहुंचकर फाइनल में सीधे जगह बनाने का मौका है। डब्ल्यूपीएल में शीर्ष टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है जबकि दूसरे और तीसरे स्थान की टीम एलिमिनेटर खेलती हैं। यह यूपी वारियर्स की लगातार तीसरी हार

थी जिससे वह चार अंक लेकर निचले स्थान पर बरकरार है। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल (55 रन) के अर्धशतक से शानदार शुरुआत करने वाली यूपी वारियर्स अमेलिया कर (38 रन देकर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 150 रन ही बना सकी। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने केर की शानदार गेंदबाजी के बाद उन्हें इस सत्र में पहली बार पारी के आगाज के लिए भेजा था लेकिन वह 10 रन बनाकर आउट हो गईं और इस मौके का फायदा नहीं उठा सकीं।नैट सिवर ब्रंट (37 रन, 23 गेंद, सात चौके) ने मैथ्यूज का अच्छा साथ निभाया और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 58 गेंद में 92 की साझेदारी निभाकर जीत की नींव रखी। ब्रंट ने इस दौरान डब्ल्यूपीएल में 800 रन भी पूरे किए और वह ऐसा करने वाली चौथी बल्लेबाज बनी। इससे पहले यूपी वारियर्स ने जॉर्जिया (33 गेंद,12 चौके) और सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस (28 रन, तीन चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 74 रन की भागीदारी से अच्छी शुरूआत की। पर लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने से उसके लिए फिर कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। अपना दूसरा ही डब्ल्यूपीएल मैच खेल रही जॉर्जिया ने कर पर लगातार तीन चौके जड़ डाले। हीली मैथ्यूज ने हैरिस को आउट करके नियमित अंतराल पर विकेट लेने की शुरूआत की। फिर मुंबई इंडियंस ने 14 गेंद के अंदर तीन विकेट झटक लिए। अमेलिया कर मुंबई इंडियंस की सबसे सफल गेंदबाज रही, उन्होंने अपनी 'रॉग उन' गेंद पर किरण नवगिरे के रूप में पहला विकेट झटका। यूपी वारियर्स की कप्तान दीप्ति शर्मा एक छोर पर डटी रहीं लेकिन दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। उन्होंने 25 गेंद में दो चौके से नाबाद 27 रन का योगदान दिया। सोफी एक्लेस्टोन ने निचले क्रम में 11 गेंद में तीन चौके से 16 रन बनाए। कर ने अंतिम ओवर में दो विकेट चटकाये और अपने चार ओवर में 38 रन देकर पांच खिलाड़ियों को पवेलियन भेजकर करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की। यह उनका डब्ल्यूपीएल में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। मैथ्यूज ने 25 रन देकर दो विकेट हासिल किए। ब्रंट ने जॉर्जिया को अपना शिकार बनाया और परुणिका सिसोदिया को एक-एक विकेट मिला। यूपी वारियर्स ने अंतिम 12.1 ओवर में महज 76 रन पर नौ विकेट गंवाए। मुंबई इंडियंस : यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हीली मैथ्यूज, नेट सिवर-ब्रंट, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमेलिया कर, सजीवन सजना, जी कमालिनी, अमनजोत कौर, संस्कृति गुप्ता, शबनम इस्माइल, पारुनिका सिसोदिया। यूपी वॉरियर्स : ग्रेस हैरिस, किरण नवगिरे, जॉर्जिया वोल, वृंदा दिनेश, दीप्ति शर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत, उमा छेत्री (विकेटकीपर), चिनेले हेनरी, सोफी एक्लेस्टोन, गौहर सुल्ताना, क्रांति गौड़।

भारत और न्यूजीलैंड 25 साल बाद फिर खिताबी मैच में होंगे आमने-सामने, जानें कैसा रहा है रिकॉर्ड

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप ए में शामिल थीं। भारत ने ग्रुप चरण के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को हराया था और अब आठ दिन के अंतर दोनों टीमें

एक बार फिर आमने-सामने होंगी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें दो बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ी हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप ए में शामिल थीं। भारत ने ग्रुप चरण के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को हराया था और अब आठ दिन के अंतर दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें दो बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ी हैं। आखिरी बार दोनों टीमों के बीच 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला गया था। बारिश के कारण छह दिनों तक चले इस खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम भारत पर भारी पड़ी थी और कीवियों ने भारतीय टीम को आठ विकेट से हराया था। दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। उस मैच में सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम ने गांगुली के 117 रन और सचिन तेंदुलकर के 69 रनों की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में स्टीफन फ्लेमिंग की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। कीवी टीम के लिए क्रिस कार्न्स ने 113 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए थे और भारत के मुंह से जीत छीन ली थी। इसके बाद से न्यूजीलैंड ने कभी आईसीसी के सफेद गेंद प्रारूप का टूर्नामेंट नहीं जीता है। न्यूजीलैंड की टीम 2015 और 2019 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा। अब उसका सामना एक और फाइनल में रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम से होगा जो टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है। गत दो मार्च को भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर मुकाबला हुआ था जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 250 रनों का लक्ष्य रखा था। इस मैच में वरुण चक्रवर्ती की अगुआई में भारतीय स्पिनरों के दमदार प्रदर्शन से टीम इंडिया लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही थी।

जवाब दिया तो झेल नहीं पाओगे', बाबर के समर्थन में आए पिता आजम सिद्दीकी, दिग्गजों को सुनाई खरी-खोटी

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अब बाबर के समर्थन में उनके पिता आजम सिद्दीकी आ गए हैं। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खरी-खोटी सुनाते हुए चेतावनी दे डाली कि अगर जवाब दिया जाएगा तो सुन नहीं पाएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में

पाकिस्तान की टीम खराब प्रदर्शन के कारण ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। इसके बाद से टीम के स्टार खिलाड़ियों को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम का भी नाम इसमें शामिल है जिन्होंने दो मैचों में सिर्फ 87 रन बनाए। इसके बाद से वह पूर्व क्रिकेटर्स के निशाने पर हैं। अब बाबर के समर्थन में उनके पिता आजम सिद्दीकी आ गए हैं। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खरी-खोटी सुनाते हुए चेतावनी दे डाली कि अगर जवाब दिया जाएगा तो सुन नहीं पाएंगे। बाबर आजम का हालिया प्रदर्शन सवालों के घेरे में हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के दो मुकाबलों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक जड़ा। वहीं, भारत के खिलाफ दुबई में खेले गए महामुकाबले में दाएं हाथ के बल्लेबाज सिर्फ 23 रन बनाकर आउट हो गए थे। मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। उसके स्टार खिलाड़ी उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। खराब प्रदर्शन के कारण बाबर आजम को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की सीरीज के कारण टीम में नहीं चुना गया। उनके अलावा कप्तान मोहम्मद रिजवान को भी बाहर कर दिया गया। अब बाबर के टीम से बाहर होने और आलोचनाओं पर उनके पिता आजम सिद्दीकी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्टार खिलाड़ी का बचाव करते हुए राष्ट्रीय टी20 और पीएसएल में अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता पर भरोसा जताया। इस दौरान उन्होंने आलोचकों को शब्दों पर ध्यान देने का आग्रह भी किया। सिद्दीकी ने अपने इंस्टा पोस्ट में कहा- बॉस हमेशा सही होते हैं। आईसीसी की टी20 ऑफ द ईयर टीम के मैंबर और कैप मिलने के बाद भी वो ड्रॉप हो जाएंगे। कोई बात नहीं। वो नेशनल टी-20 और पीएसएल में परफॉर्म करेंगे। इंशा अल्लाह वो टीम में परफॉर्म करके जल्दी ही वापस आ जाएंगे। बस यही एक सम्मान है। वो बहुत बड़े भूतपूर्व खिलाड़ी हैं। उनसे गुजारिश है कि अपनी बात सही रखें। अगर कोई पलटकर जवाब देगा तो शायद वो बर्दाश्त न कर पाएं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

वनडे में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बांग्लादेशी हैं मुशफिकुर, 2007 में बने थे भारत के लिए मुसीबत

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुशफिकुर रहीम ने वनडे से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। 37 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा- मैं

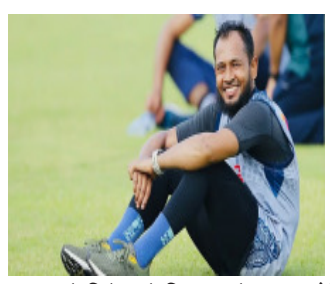

आज वनडे क्रिकेट से रिटायर हो रहा हूं। वनडे में बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बांग्लादेशी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने वनडे से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। 37 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा- मैं आज वनडे क्रिकेट से रिटायर हो रहा हूं। दाएं हाथ के बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम बांग्लादेश के लिए वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 274 मुकाबलों में 7795 रन बनाए। उनके नाम इस प्रारूप में नौ शतक और 49 अर्धशतक दर्ज हैं। बोगरा के इस बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश का सफर समाप्त होने के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। सोशल मीडिया पर अपने संन्यास का एलान करते हुए रहीम ने लिखा- मैं आज वनडे क्रिकेट से रिटायर हो रहा हूं। मैं मानता हूं कि इंटरनेशनल क्रिकेट में हमारी उपलब्धियां कम है। लेकिन जब भी देश के लिए खेला पूरे डेडिकेशन और ईमानदारी के साथ खेला। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए मुश्किलों से भरे रहे हैं और मुझे एहसास हो गया है कि यही मेरी डेस्टिनी है। अंत में, मैं अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिनके लिए मैंने पिछले 19 वर्षों से क्रिकेट खेला। मुशफिकुर वही बल्लेबाज हैं जिनकी वजह से भारत वनडे विश्व कप 2007 में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। 200 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ 56 रनों की नाबाद पारी खेलकर बांग्लादेश को भारत पर पांच विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

मोहम्मद शमी ने आईसीसी से की खास अपील, लार के नियम पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में दो नई गेंद का नियम आने से स्थिति और बिगड़ गई है। शमी चैंपियंस

ट्रॉफी में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई गेंदबाजों ने आईसीसी से लार पर प्रतिबंध पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया है। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी से गेंद पर लार का इस्तेमाल करने की मंजूरी देने का आग्रह किया है। कोविड-19 के दौरान आईसीसी ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इससे तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग कराने में मदद मिलती है, लेकिन अब गेंदबाज इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। गेंद पर लार का इस्तेमाल नहीं करने से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग कराने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वनडे क्रिकेट में दो नई गेंद का नियम आने से स्थिति और बिगड़ गई है। शमी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई गेंदबाजों ने आईसीसी से लार पर प्रतिबंध पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया है। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद

सम्पादकीय

आसान नहीं ऑनलाइन गंदगी से निपटना, फूहड़-अश्लील सामग्री पर लगानी होगी रोक

कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब चैनल पर इंडियाज गाट लेटेंट कार्यक्रम के दौरान एक अन्य यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की ओर से की गई बेहद भोंडी टिप्पणी का मामला फिर से सुप्रीम कोर्ट में सुना गया। सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को अपना पोडकास्ट शुरू करने की अनुमति तो दे दी, लेकिन उसने समय रैना को खूब खरी-खोटी सुनाई, क्योंकि न्यायाधीशों को इससे अवगत कराया गया कि रैना ने अपने कनाडा दौरे के समय शीर्ष अदालत की कार्यवाही पर तंज कसा है। इस मामले की जांच मुंबई और गुवाहाटी पुलिस भी कर रही है। कहना कठिन है कि वह किस नतीजे पर पहुंचेगी। यह कहना भी कठिन है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या करेगा, लेकिन फिलहाल यह दिख रहा है कि उसने सख्त रवैया अपना रखा है। उसने सरकार से फिर कहा कि वह यूट्यूब चैनलों और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्मों की सामग्री का नियमन करे। वह इस मसले पर कितना गंभीर है, इसका पता इससे चलता है कि उसने सरकार से इसका मसौदा तैयार करने को कहा। यदि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार सरकार इस दिशा में कोई पहल करती है तो इसके खिलाफ यह कहते हुए शोर उठ सकता है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। वैसे तो सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि नियमन के उपाय सेंसरशिप जैसे नहीं लगने चाहिए, लेकिन इसके भरे-पूरे आसार हैं कि इस दिशा में सरकार की किसी भी पहल पर ऐसे सवाल अवश्य उठेंगे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित किया जा रहा है। सब जानते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं होती, लेकिन सीमा का उल्लंघन कब होता है, यह तय करना सदैव मुश्किल हो जाता है। क्या आपत्तिजनक है और क्या नहीं, इसका निर्धारण करना इसलिए आसान नहीं, क्योंकि जो किसी के लिए फूहड़ होता है, वह अन्य के लिए हास्य। जो किसी के लिए आपत्तिजनक या अपमानजनक होता है, वह अन्य के लिए खरी बात। इसी तरह जो किसी के लिए अभद्र-अश्लील होता है, वह अन्य के लिए 'कूल।' यह किसी से छिपा नहीं कि समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया और उनके साथियों के खिलाफ कार्रवाई का अनेक लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनकी दलील है कि आखिर फूहड़ता के लिए किसी को जेल में कैसे डाला जा सकता है? कुछ यह कह रहे हैं कि इस मामले में पुलिस एवं अदालत अपना समय जाया कर रही हैं और आखिर रैना और इलाहाबादिया ने लोगों को अपना शो देखने के लिए बुलाया तो था नहीं। कुछ लोग यह भी पूछ रहे हैं कि क्या रैना, इलाहाबादिया आदि को जेल भेज देने से गरीबी, बेरोजगारी जैसी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उनके कहने का यह आशय है कि पुलिस अथवा अदालत को इस पचड़े में नहीं पड़ना चाहिए। क्या वाकई नहीं पड़ना चाहिए? इसका भी कोई सीधा जवाब नहीं, लेकिन इतना तो तय है कि अनेक कॉमेडियन, इन्फ्लुएंसर जैसी ऑनलाइन फूहड़ता अश्लीलता फैला रहे हैं, उसकी अनदेखी करने से भी कोई समस्या सुलझने वाली नहीं। इसका यह भी मतलब नहीं कि रैना, इलाहाबादिया आदि को जेल में डाल देना समस्या का सही समाधान है। जो लोग यह चाह रहे हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर भोंडी-ओछी ऑनलाइन सामग्री की अनदेखी कर दी जाए, उनकी तरफदारी करना भी कठिन है, क्योंकि अनेक तथाकथित कॉमेडियन और इन्फ्लुएंसर ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर जमकर गंदगी परोस रहे हैं। ऐसा करके वे पैसा तो बना ही रहे हैं, बल्कि प्रचार और प्रसिद्धि भी पा रहे हैं। वे टीवी शो में प्रतिभागी अथवा अतिथि के तौर पर बुलाए जाने लगे हैं। समय रैना कुछ समय पहले ही कौन बनेगा करोड़पति में प्रकट हुए थे। कोई भी समझ सकता है कि उन्हें इसीलिए बुलाया गया, ताकि कौन बनेगा करोड़पति के दर्शक बढ़ें। भले ही ऐसे लोग इन्फ्लुएंसर कहे जाते हों, लेकिन यह समझना कठिन है कि वे लोगों को प्रभावित करते हैं या दुष्प्रभावित? यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर (एक्स) जैसे प्लेटफार्मों पर फूहड़, अश्लील कंटेट की भरमार है। अश्लील सामग्री को लेकर हर देश ने भले ही अपने-अपने नियम-कानून बना रखे हों, लेकिन ऑनलाइन प्लेटफार्मों ने उन्हें बेमानी साबित कर दिया है। यह निरा झूठ है कि ऑनलाइन प्लेटफार्म फूहड़ता एवं अश्लीलता को लेकर संवेदनशील हैं। वे ऐसा दावा भले करते हों, लेकिन सच यही है कि उनकी कोशिश यही रहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस तरह की सामग्री देखें। यह इसीलिए है, क्योंकि इन प्लेटफार्मों ने इसकी खुली छूट दे रखी है। ये प्लेटफार्म यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि वे तो माध्यम भर हैं यानी उनका काम पोस्टमैन सरीखा है। इसी कारण इन प्लेटफार्मों का इस्तेमाल नफरती और अराजक तत्वों के साथ आतंकी भी करते रहते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि ऑनलाइन प्लेटफार्म बेलगाम हैं और वे किसी नियम-कानून की परवाह नहीं करते। इसी कारण वे फेक न्यूज का सबसे बड़ा जरिया बने हुए हैं। अब जब इसकी प्रतीक्षा की जा रही है कि फूहड़ता फैलाने के मामले में सरकार और सुप्रीम कोर्ट क्या करता है।

आत्मनिर्भर बन रही आधी आबादी, नीतियों और योजनाओं से हो रहा उत्थान

आदिकाल से ही भारत में महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है। नारी पूजा का भाव, विचार और विश्वास भारतीय मानस में बसा हुआ है। 'शतपथ ब्राह्मण' में उल्लेख है कि श्रीराम के गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में संगीत शिक्षण उनकी विदुषी पत्नी अरुंधति ही करतीं थीं। ऋग्वेद में भी गार्गी, मैत्रेयी, घोषा, अपाला, लोपामुद्रा जैसी अनेक ऋषिकाओं का उल्लेख मिलता है। दुख का विषय है कि स्त्री शिक्षा की इतनी गौरवपूर्ण और स्वर्णिम परिपाटी परवर्ती काल में खासतौर से मध्ययुग में आक्रांताओं के शासनकाल और उसके बाद फिरंगियों की गुलामी के दौरान छिन्न-भिन्न होती चली गई। आजादी के संघर्ष के दौरान और आजादी के बाद महिलाओं का समाज में पुनः कुछ सम्मान बढ़ा, लेकिन उनकी प्रगति की गति दशकों तक धीमी रही। गरीबी और निरक्षरता महिलाओं के सशक्तीकरण में गंभीर बाधा रही है। महात्मा गांधी ने 23 दिसंबर 1936 को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन में कहा था, 'जब महिला, जिसे हम अबला कहते हैं, सबला बन जाएगी तो वे सभी जो असहाय हैं, शक्तिशाली बन जाएंगे।' बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने भी सशक्त भारत के निर्माण में महिलाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए लिखा, 'सामाजिक न्याय के लिए महिला सशक्तीकरण जरूरी है, तभी समाज में महिला का उत्थान हो सकता है।' महिलाओं के उत्थान से ही स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के लोकतांत्रिक विचारों के साथ समाज का पुनर्निर्माण संभव है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता दिलाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का संदेश महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस और तेजी से कदम उठाने की आवश्यकता पर बल देना है। मोदी सरकार इसी दिशा में सक्रिय है। हमारी सरकार ने विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के उत्थान और सशक्तीकरण हेतु अनेक ठोस कदम उठाए हैं। ये नीतियां महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। पिछले दस वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का जमीन पर लाभ दिखना शुरू हो गया है। गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करना हो, स्वास्थ्य और सुविधा में सुधार हेतु 'उज्ज्वला योजना' हो या बालिकाओं की शिक्षा और भविष्य की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' हो, महिलाओं-बेटियों का हित भारत सरकार की प्राथमिकता है। मातृत्व लाभ अधिनियम में संशोधन कर महिलाकर्मियों को मिलने वाले मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई है। मोदी सरकार द्वारा छोटे व्यवसायियों की मदद के लिए शुरू की गई मुद्रा लोन योजना में महिलाओं की भागीदारी 69 प्रतिशत है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इसके अलावा स्टैंडअप इंडिया के तहत खास तौर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को ऋण दिया जाता है, जिसके तहत अब तक 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' और 'मिशन शक्ति' जैसी योजनाओं एवं 'सेल्फी विद डाटर' जैसी पहल ने बालिकाओं-युवतियों के लिए नया आसमान खोला है। महिला स्वयं सहायता समूह यानी एसएचजी सशक्तीकरण योजना द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिला समूहों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी भागीदारी को बढ़ाने के नए कीर्तिमान बनाए जा रहे हैं। आज भारत की नारी एक नए आर्थिक क्षितिज की ओर भी अग्रसर है। शिक्षा, सफलता की महत्वपूर्ण सीढ़ी मानी जाती है। मोदी सरकार के शासन में उच्च शिक्षा में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक रूप से बढ़ रही है। 2014-15 के बाद से उच्च शिक्षा में नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महिला नामांकन दर 1.57 करोड़ से बढ़कर 2.18 करोड़ हो गई है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' द्वारा संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का अद्वितीय कार्य हो, तीन तलाक कानून द्वारा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हो, पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लिए महिला बटालियनों का गठन हो अथवा शिक्षा और कौशल विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नए संस्थान और ट्रेनिंग प्रोग्राम हों, मोदी सरकार महिलाओं की अग्रणी भूमिका को सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्पित है। कला, खेल, अभिनय, राजनीति से लेकर सरकारी नौकरियों और प्रोफेशनल जगत, सभी क्षेत्रों में भारतीय महिलाएं अपनी भागीदारी न सिर्फ सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए अपनी धाक भी जमा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जब विकसित भारत के लिए अपने चार स्तंभों की बात करते हैं तो उसमें महिलाएं भी एक हैं। जब विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में महिलाओं की चतुर्दिक भूमिका होने वाली है, तब हमें महिलाओं की क्षमता समझने की जरूरत है। विकसित एवं सशक्त भारत की निर्माण यात्रा महिलाओं के समग्र सशक्तीकरण के जरिये ही संपन्न होगी।

परिसीमन में साधना होगा संतुलन, दक्षिण के राज्य कर रहे विरोध

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद में प्रतिनिधित्व का पैमाना अभी तक 1971 की जनगणना पर ही अटका हुआ है। इसके पीछे यही तर्क रहा कि जनसंख्या नियंत्रण में सफल रहे राज्यों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर संभावित नुकसान से बचाना। हालांकि यह समयसीमा 2026 में समाप्त हो रही है और अब नए सिरे से परिसीमन प्रस्तावित है। इसे लेकर बहस भी शुरू हो गई है। दक्षिणी राज्यों को आशंका सता रही है कि जनसंख्या नियंत्रण के उनके प्रयासों को नए परिसीमन को पलीता लग सकता है। इसी कारण इन राज्यों में विरोध के स्वर भी मुखर होने लगे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक प्रकार से इस अभियान की कमान भी संभाल रखी है। दक्षिण के अन्य राज्य भी उत्तर भारत के वर्चस्व को लेकर सशंकित होने के कारण उनके सुर में सुर मिला रहे हैं। ऐसे स्वरों को शांत करने के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन भी दिया है कि परिसीमन में दक्षिणी राज्यों के हितों पर कोई आघात नहीं होने दिया जाएगा। भारतीय संविधान ने एक ऐसी चुनावी प्रक्रिया की संकल्पना की थी, जिसमें प्रत्येक सांसद कमोबेश बराबर लोगों का प्रतिनिधित्व करे। संविधान के अनुच्छेद 81, 82 और 170(3) में यही व्यवस्था की गई है कि समय-

समय पर सीटों का नए सिरे से परिसीमन किया जाए जिसमें जनसंख्या परिवर्तन के रुझान को अपेक्षित रूप से समायोजित किया जा सके। इस समय भारत का चुनावी मानचित्र 1971 की जनगणना पर अटका हुआ है, जब उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की जनसंख्या में उतना अंतर नहीं था, जितना आज है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या अभी 24 करोड़ से अधिक है जो तमिलनाडु से लगभग दोगुनी है, लेकिन उसकी लोकसभा सीटें अभी भी 1971 के स्तर पर ही हैं। क्या यह उचित है? यदि परिसीमन के लिए मौजूदा जनसंख्या पैमाना बनी तो तय है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में लोकसभा सीटें खासी बढ़ेंगी। जबकि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में सीटें अपेक्षाकृत घटेंगी। स्वाभाविक है कि दक्षिणी राज्यों के लिए यह घाटे का सौदा होगा। उन्हें लगेगा कि बेहतर गवर्नेंस के बावजूद उन्हें दंडित किया जा रहा है? दशकों से उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन से जुड़े प्रयासों में भारी निवेश किया है, जिसने जनसंख्या वृद्धि को थामा है। इसी बीच कई उत्तरी राज्यों में जन्मदर ऊंची बनी हुई है। इसके बावजूद उनकी राजनीतिक शक्ति बढ़ जाएगी। फिर सवाल उठेगा कि क्या लोकतंत्र में अक्षमताओं को पुरस्कृत किया जाता है? वैसे भी क्षेत्रीय क्षत्रप परिसीमन के मुद्दे को संघीय ढांचे के लिए अपने संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। तमिलनाडु और केरल की दलील है कि प्रतिनिधित्व की कसौटी केवल जनसंख्या न होकर विकास संबंधी उपलब्धियां और आर्थिक योगदान भी होनी चाहिए। हैरानी की बात यह है कि इस समय ऐसी आवाजें शांत हैं, जो रह-रहकर 'जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी' का राग अलापती रहती हैं। साफ है कि 'जितनी आबादी, उतना हक' वाला उनका नारा भी सुविधावादी राजनीति से जुड़ा है। उत्तर-दक्षिण विभाजन की बहस के अलावा संभावित परिसीमन की राह में और भी चुनौतियां हैं। ऐसा ही एक मुद्दा है एससी-एसटी के लिए निर्धारित सीटों का समायोजन। उनके प्रतिनिधित्व में जनसांख्यिकीय बदलाव झलकना ही चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करना बहुत मुश्किल है। ध्यान रखना होगा कि इस कवायद में राजनीतिक समीकरण न बिगड़ें। एक और चुनौती शहरी-ग्रामीण असंतुलन के स्तर पर होगी। तेजी से हुए शहरीकरण से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में जनसंख्या बहुत अधिक बढ़ गई है, लेकिन संसद में उनका प्रतिनिधित्व नहीं बदला है। क्या अपने आर्थिक महत्व के चलते शहरी केंद्रों को अधिक सीटें नहीं मिलनी चाहिए या ग्रामीण प्रतिनिधित्व को संरक्षण प्रदान कर सुनिश्चित किया जाए कि राजनीतिक गलियारों में उनकी आवाज कमजोर नहीं पड़ेगी? शहरों में भारी पैमाने पर हुए पलायन ने स्थिति और जटिल बना दी है। कई शहरों में विस्थापित श्रमिकों की बड़ी आबादी है। ये श्रमिक काम तो शहरों में करते हैं, मगर इनमें से अधिकांश के वोट मूल स्थानों पर होते हैं। ऐसे में परिसीमन कुल आबादी के आधार पर हो या पंजीकृत मतदाताओं की संख्या पर, यह पहलू भी विभिन्न क्षेत्रों के बीच शक्ति संतुलन साधने में अहम भूमिका निभाएगा। परिसीमन के परिदृश्य पर संभावित समाधानों एक सुझाव यही दिया जा रहा है कि अगले 30 वर्षों के लिए पुरानी व्यवस्था को ही यथावत कायम रखा जाए, ताकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल रहे राज्यों को कोई खामियाजा न भुगतना पड़े। हालांकि इससे वह विसंगति कायम रह जाएगी, जहां कुछ सांसद अपने अन्य साथियों की तुलना में कहीं बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। एक समाधान यह भी हो सकता है कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ा दी जाए। इससे किसी क्षेत्र में सीटों की संख्या में कटौती किए बिना जनसंख्या को सही प्रतिनिधित्व भी मिल जाएगा। इससे किसी क्षेत्र में असंतोष भी नहीं भड़केगा। कुछ विशेषज्ञ जीडीपी योगदान, साक्षरता दर और गवर्नेंस सक्षमता जैसे कारकों को भी परिसीमन में महत्व देने की पैरवी कर रहे हैं। हालांकि यह काफी जटिल होगा और संभव है कि उत्तरी राज्यों में राजनीतिक वर्ग इसका विरोध करे। परिसीमन संवेदनशील मुद्दा है, जिसे सुलझाने के लिए समग्र दृष्टिकोण चाहिए। इसमें सुनिश्चित करना होगा कि सभी राज्य और प्रमुख हितधारक सक्रिय सहभागिता के साथ किसी स्वीकार्य समझौते पर सहमत हों, जिसमें प्रतिनिधित्व, गवर्नेंस और क्षेत्रीय हितों का संतुलन साधा जा सके। ऐसा संतुलन, जिसमें बढ़ती आबादी से लेकर विकास के प्रति गंभीरता का बराबर ख्याल रखा जाए। उसमें कोई स्वयं को राजनीतिक हाशिये पर न देखे और समान लोकतांत्रिक सहभागिता संभव हो सके। इस मुद्दे को संजीदगी से संभालना होगा, क्योंकि परिसीमन लोकतांत्रिक शुचिता बढ़ाने के साथ ही प्रत्येक मत के महत्व और संघीय सिद्धांतों के प्रति सम्मान का भी प्रतीक होगा।

गरीब मुस्लिमों के हित में है वक्फ बिल, मुस्लिम महिलाओं-पसमांदा वर्ग के लोगों की बेहतरी की राह खुलेगी

हाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जगदंबिका पाल के नेतृत्व वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 के सभी 14 संशोधनों को मंजूरी दे दी। इसके बजट सत्र के दूसरे भाग में संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह संशोधन विधेयक वक्फ बोर्ड में व्याप्त अनियमितताओं एवं विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रविधानों को हटाने की बात करता है। सरकार का कहना है कि इससे वक्फ बोर्ड के प्रबंधन में सुधार होगा। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना, भ्रष्टाचार आदि पर नियंत्रण पाना, वक्फ संपत्तियों के विकास और संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना भी है कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग हितधारक समुदाय के लाभ के लिए ही किया जा सके। सरकार के इन दावों के बावजूद विपक्ष एवं उलेमाओं का एक वर्ग और तथाकथित सेक्युलर-लिबरल बुद्धिजीवियों द्वारा इस प्रस्तावित विधेयक का विरोध किया जा रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने तो वक्फ संशोधन बिल के विरोध में बड़ा प्रदर्शन करने का एलान किया है। इस विधेयक का विरोध करने वालों के अपने कुछ तर्क हैं और आशंकाएं भी। वे इसे मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर सरकार का हस्तक्षेप मानते हैं। उनका मानना है कि यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में हस्तक्षेप करता है। इस विधेयक के संदर्भ में सत्तापक्ष और विपक्ष के तो अपने-अपने तर्क हैं ही, जिस मुस्लिम समुदाय के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है, उसके भीतर भी इस विधेयक को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हैं। मुस्लिम समाज को एक समतावादी समाज माना जाता है, लेकिन व्यवहार में भारतीय मुस्लिम समाज में भी भेद और स्तरीकरण दिखाई देता है। भारतीय उपमहाद्वीप में मुसलमानों के बीच जाति व्यवस्था का अस्तित्व है। इसमें तीन प्रमुख श्रेणियां देखी जाती हैं। अशराफ उच्च वर्ग के मुसलमान माने जाते हैं, जिनका दावा है कि वे अरबी, तुर्की, फारसी या अफगान वंश से संबंधित हैं। अशराफ में सैयद, शेख, पठान और मुगल जैसी उच्च जातियां आती हैं। अजलाफ निम्न वर्ग के मुसलमान माने जाते हैं, जिनका संबंध परिवर्तित हिंदुओं से है। इस श्रेणी में कारीगर, किसान और श्रमिक वर्ग के मुसलमान शामिल होते हैं। अरजाल सबसे निचली श्रेणी के मुसलमान माने जाते हैं, जो मुखतः दलित जातियों से मतांतरित हुए हैं। इन्हें समाज में सबसे अंतिम पायदान पर रखा जाता है। नीचे के इन दो मुस्लिम वर्गों को मिलाकर 'पसमांदा मुस्लिम' समूह की रचना होती है। पसमांदा मुस्लिम एक सामाजिक-आर्थिक और जातिगत श्रेणी है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को संदर्भित करती है। ङ्घपसमांदाङ्क शब्द का अर्थ है ङ्घपीछे छूट गएङ्क या ङ्घवंचितङ्क। यह उन मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता है, जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए हैं। अधिकतर पसमांदा मुस्लिम अधिकार कार्यकर्ता वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। हैरानी नहीं कि उनकी नजर में वक्फ संशोधन बिल से वक्फ की संपत्तियों के पंजीकरण, सत्यापन, लेनदेन में पारदर्शिता आएगी और गरीब मुसलमानों को वक्फ के

मुसलमानों की हर संस्था पर अशराफ वर्ग यानी खुद को विदेशी मूल का मुसलमान कहने वालों का कब्जा है। वे यह नहीं देख पा रहे हैं कि संशोधित वक्फ बिल के प्रस्तावों में महिलाओं के साथ-साथ पसमांदा वर्ग के पिछड़े मुसलमानों के लिए भी ऐसे अहम प्रविधान किए गए हैं, जिनसे महिलाओं-पसमांदा वर्ग के लोगों की बेहतरी की राह खुलेगी। इस कारण ही प्रमुख पसमांदा संगठन- ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज- ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उसका मानना है कि वक्फ बोर्ड पर कुल मुसलमानों के लगभग 15 प्रतिशत आबादी वाले अशराफ (अग्रणी एवं सुविधा संपन्न) मुसलमानों का कब्जा है। अशराफ उलेमा और राजनीतिज्ञ वक्फ संपत्तियों पर सांप की तरह कुंडली मारे बैठे हैं, जबकि 85 प्रतिशत पसमांदा (अति पिछड़ा एवं वंचित) मुसलमानों को वर्षों से मृगतृष्णा दिखाई जा रही है। उन्हें वक्फ संपत्तियों से कोई लाभ नहीं मिल रहा है। वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने वाले मौलाना अरशद मदनी और उन जैसे तमाम लोगों की दलीलें मतलबपरस्ती वाली हैं। इन लोगों ने पसमांदा मुसलमानों के हित में कभी कुछ नहीं किया, उल्टे उनका इस्तेमाल किया है। वक्फ संशोधन बिल लाकर सरकार कुछ अच्छा करने जा रही है तो ऐसे लोग एवं उनके सहयोगी सरकार के खिलाफ अभियान चलाने में जुटे हुए हैं। पसमांदा आंदोलन से जुड़े अधिकतर लोगों का मानना है कि वक्फ से संबंधित संपत्तियों के संबंध में जो निर्णय लिया जा रहा है, वह पसमांदा मुसलमानों के हित में है। बेहतर होगा कि जो लोग वक्फ बिल का विरोध कर रहे हैं, वे यह सुनें कि पसमांदा मुसलमान क्या कह रहे हैं? वक्फ की संकल्पना जिस नेक इरादे के साथ की गई थी, उसमें समय के साथ तमाम बुराइयां घर कर गई हैं। वक्फ की आड़ में कई जगहों पर भू-माफिया पैदा हो गए, जिन्होंने कब्रिस्तानों पर कब्जा कर लिया और सरकार से मिलने वाले हर लाभ का खुद फायदा उठाने लगे। भू-माफिया वक्फ की जमीन को निजी संपत्ति बनाकर बेच रहे हैं और नाम मात्र के भाव में लीज कराकर बड़े-बड़े शापिंग कांप्लेक्स बनाकर मोटा किराया वसूला रहे हैं। चूंकि इन पर रोक लगाने के लिए भी वक्फ अधिनियम में यथोचित बदलाव का किया जा रहा है, इसलिए वक्फ संशोधन बिल से मुस्लिम समाज के अत्यंत पिछड़े वर्ग को उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है।

नोडल अधिकारी द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। नोडल अधिकारी जनपद/प्रमुख सचिव, परिवहन, समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण उ0प्र0 शासन एल0 वेंकटेश्वर लू द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में शासन की विभिन्न

जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में निराश्रित गोवंश की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि शतप्रतिशत निराश्रित गोवंशों को संरक्षित कराया जायें, किसानों को जैविक खेती करने हेतु प्रेरित किया जायें, किसानों को गौआश्रय स्थल से जोड़ा जाये, किसानों को गौआश्रय स्थल से जैविक खाद उपलब्ध कराया जायें और उनसे उसके बदले भूसा चारा इत्यादि प्राप्त किया जायें। ग्राम पंचायतों में जहां पर भूमि की उपलब्धता हो उसकों गौआश्रय स्थल व गोचर के लिये चिन्हित कर दिया जायें, गौशालाओं की गुणवत्ता बढ़ाई जायें। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि सभी केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जायें और यह भी सुनिश्चित कराया जाये कि चिकित्सक मरीजों को बाहर की दवा न लिखे यदि कही पर कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उसकी जांच करायी जाये पुष्टि होने पर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जायें। ग्राम पंचायतों में विकसित किए गये अमृत सरोवर व तालाबों का संरक्षण कराया जाये, ग्राम पंचायतों में जहां पर भूमि की उपलब्धता हो वहां पर जल संचयन हेतु तालाब विकसित किये जाये, इस कार्य को मनरेगा के तहत कराया जायें। वृक्षारोपण में रोपित किये गये पौधें का संरक्षित कराया जायें तथा सड़कों के किनारे वृक्षारोपण कराया जायें। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि एस0डी0एम0 व सीओं द्वारा अपने क्षेत्र के सर्वाधिक विवादित/समस्या वाले ग्रामों की सूची बनाकर संयुक्त रूप से भ्रमण किया जाये, वहां पर लोगों से संवाद कर समस्याओं का निस्तारण कराया जायें, जो विवाद है उसमें दोनों पक्षों से वार्ताकर उनकों सुलझाया जायें भूमि के विवाद को बिना किसी भेदभाव, पूरी पारदर्शिता के साथ निस्तारण कराया जायें तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जायें। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों को खुशहाल बनाने के लिये हमें सकारात्मक भाव से मिलकर कार्य करना होगा। गांवों को ओवर ऑल पैरामीटर से संतृप्त कराये जाने हेतु कार्य करना पड़ेगा तभी हम गांव के लोगों का जीवन खुशहाल बना सकेंगें। बैठक में जिलाधिकारी हर्षिता माथरु, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 अमृता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण सतीश चन्द्र मिश्रा, जिला विकास अधिकारी अरूण कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

16वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत युवाओं के साथ आत्मीय संवाद का हुआ आयोजन

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई नेहरू युवा केन्द्र गौतमबुद्धनगर और गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 16वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत गुरुवार को बीएसएफ के अश्वनी संस्थान प्रांगण में एक विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के 220 जनजातीय युवाओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जनजातीय युवाओं से आत्मीय चर्चा की, उनके अनुभवों को जाना और सरकार द्वारा जनजातीय समाज के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।संवाद सत्र में युवाओं ने दिल्ली मेट्रो में पहली बार सफर करने, ऐतिहासिक स्थलों - लाल किला, इंडिया गेट, प्रधानमंत्री संग्रहालय आदि का भ्रमण करने और विशेषज्ञों से मिली जानकारी के अनुभवों को साझा किया। छत्तीसगढ़ के जनपद मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी से आए निखिल कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम उनके लिए नए भारत की झलक देखने और विकास की प्रक्रिया को समझने का अवसर साबित हुआ। वहीं छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले से फूलमणि कश्यप ने कहा कि वे अपने समुदाय में वापस जाकर इस सीख को साझा करेंगे

और समाज के विकास में योगदान देंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, डिजिटल सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जनजातीय युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'विकसित भारत' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान दोपहर के भोजन पर वरिष्ठ अधिकारियों ने जनजातीय युवाओं के साथ भोजन किया और उनके संघर्षों, विचारों, आकांक्षाओं और विजन पर चर्चा की। इस अनौपचारिक संवाद में युवाओं ने अपनी समस्याओं को साझा किया और सरकार से सहयोग की अपेक्षाओं को व्यक्त किया। अधिकारियों ने उन्हें स्व-रोजगार, कौशल विकास, स्टार्टअप इंडिया और अन्य योजनाओं की जानकारी दी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में गृह सचिव गोविंद मोहन, संयुक्त सचिव राजीव कुमार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव नीतीश कुमार मिश्र, नेहरू युवा केन्द्र संगठन के संयुक्त निदेशक आर एन त्यागी, नेहरू युवा केन्द्र संगठन उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक महेंद्र सिंह सिसोदिया, नेहरू युवा केन्द्र बागपत के उपनिदेशक अरुण कुमार तिवारी, गौतमबुद्धनगर की जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह, बुलंदशहर के जिला युवा अधिकारी आकर्ष दीक्षित सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। युवाओं ने इस संवाद को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अनुभव बताया। यह कार्यक्रम न केवल जनजातीय युवाओं को भारत के विकास और नेतृत्व की समझ प्रदान करने का अवसर बना बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को लेकर नई सोच और आत्मविश्वास भी दिया। युवा भारत के भविष्य हैं, और इस तरह के कार्यक्रम उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर और राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में विवेकानंद यूथ अवॉर्डी अमन कुमार, एपीए फरमूद अख्तर, स्वयंसेवकों में तालिब, प्रकाश, सोनू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देशी 132 , कम्पोजिट 88 , माडल शॉप एक दुकान व भांग के 6 दुकानों की खुली लाटरी

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।प्रमुख सचिव, आयुष तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन रंजन कुमार के पर्यवेक्षण में तथा जिलाधिकारी बद्री नाथ सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन के पंचायत रिसोर्स सेन्टर

में आबकारी विभाग द्वारा संचालित देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, माडलशाप एवं भांग की फुटकर दुकानों का व्यवस्थापन ई-लाटरी के माध्यम से पारदर्शिता व शांतिपूर्ण ढंग से सप्पन्न करायी गयी। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए प्रख्यापित आबकारी नीति निर्देशन के कम में जनपद सोनभद्र अन्तर्गत स्वीकृत/ संचालित देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, माडलशाप एवं भांग की फुटकर दुकानों का व्यवस्थापन ई-लाटरी के माध्यम से आज अपरान्ह 2.00 दुकनों के लिए आवेदकों की उपस्थिति में लाटरी की कार्यवाही सम्पन्न करायी गयी। जिला आबकारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में जनपद की देशी मदिरा की 132 दुकानों, कम्पोजिट की 88 दुकानों, माडल शॉप की 01 दुकान तथा भांग की 6 दुकानों का व्यवस्थापन सकुशल सम्पन्न करायी जा रही है, जिसमें जनपद में लगभग 300 करोड़ रूपये से अधिक का राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित हुईं। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रथम चरण में आवेदकों को ई-लाटरी के माध्यम से आबकारी की दुकानों का आवंटन करने की प्रक्रिया की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गयी, इसके बाद ई-लाटरी की कार्यवाही आवेदक/आवेदिका के समक्ष कुशलता पूर्वक सम्पन्न करायी गयी। इसके बाद ई-लाटरी के माध्यम से प्राप्त दुकानों के स्वामियों की सूची को समस्त आवेदक/आवेदिका की मौजूदगी में पढ़कर सुनायी गयी। इस मौके पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री निजामुद्दीन सिद्दकी की देख-रेख में टीम के साथ ई-लाटरी की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से अंजाम दिया गया। इस दौरान पुलिस विभाग की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर पाया गया, किसी प्रकार कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुईं। लाटरी प्रकिया के मौके पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, आबकारी आयुक्त, द्वारा नामित सदस्य कमलेश्वर कश्यप, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन-2 मीरजापुर, प्रभार मीरजापुर, जिला आबकारी अधिकारी प्रवीण कुमार पाण्डेय, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 व निरीक्षक क्षेत्र-3 सोनभद्र उपस्थित रहें।

प्रमुख सचिव ने नवनिर्मित पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड हरचंदपुर की ग्राम

पंचायत लालूपुर खास में जनपद के नोडल अधिकारी / प्रमुख सचिव, परिवहन, समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण, उ0प्र0 शासन एल. वेंकटेश्वर लू के जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत आज नवनिर्मित लालूपुर खास पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लालूपुर खास पेयजल योजना में 02 राजस्व ग्राम (लालूपुर खास, ढोढांरी) सम्मिलित है। उक्त योजना में 01 नग शिरोपरि जलाशय (पानी की टंकी) 175 के0एल0/16 मीटर स्टेजिंग, 01 नग नलकूप, 01 नग पम्प हाउस, 6.9 कि0मी0 पाइपलाइन एवं सोलर सिस्टम (21 किलोवाट), 335 नग हाउस कनेक्शन एवं अन्य तत्सम्बन्धी कार्य प्रस्तावित है। उक्त कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किये जा चुके है। योजना में 335 नग हाउस कनेक्शन प्रदान कर सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति भी की जा रही है। प्रमुख सचिव द्वारा ग्राम में भ्रमण के दौरान हाउस कनेक्शनों में पानी चलता हुआ पाया गया तथा भ्रमण के दौरान ग्रामवासियों से बातचीत कर पेयजल के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। जिसके क्रम में ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम में सुबह-शाम, दो-दो घंटे सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति होती है तथा आवश्यकता पड़ने पर दोपहर में भी पेयजल आपूर्ति कर दी जाती है। प्रमुख सचिव द्वारा ग्रामवासियों से पेयजल की क्वालिटी के बारे में भी जानकारी ली गयी। जिसपर ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि योजना से आने वाली पानी की क्वालिटी अच्छी है तथा योजना के बनने से ग्राम में पेयजल सम्बन्धित समस्या का सामना नही करना पड़ता है।

आर्म्स एक्टः दोषी भीम पासवान को 10 वर्ष की कठोर कैद

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। करीब 18 वर्ष पूर्व अनपरा पुलिस द्वारा स्टेनगन और कारतूस के साथ गिरफ्तार किए गए भीम पासवान के मामले में वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम जीतेंद्र कुमार द्विवेदी की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी भीम पासवान को 10 वर्ष की कठोर कैद व 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अनपरा थानाध्यक्ष रामदयाल चौहान 18 जून 2007 को पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में निकले थे कि मुखबिर खास के जरिए सूचना मिली कि एक व्यक्ति मध्यप्रदेश की ओर असलहा और कारतूस लेकर जा रहा है। अगर मौके पर पहुंचा जाए तो वह पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास करके पुलिस बल के साथ पहुंचा तो पुलिस को देखकर जंगल झाड़ी की ओर भागने लगा, जिसे पुलिस वालों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से स्टेनगन और 10 कारतूस बरामद हुआ। जिसे रखने का उसके पास कोई लाइसेंस नहीं था। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम पता भीम पासवान पुत्र मुरली पासवान निवासी बुटबेढवा, थाना विंढमगंज, जिला सोनभद्र बताया। इसपर पुलिस ने आर्म्स एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर भीम पासवान पुत्र मुरली पासवान निवासी बुटबेढवा, थाना विंढमगंज, जिला सोनभद्र के विरुद्ध विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी भीम पासवान को 10 वर्ष की कठोर कैद व 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील विनोद कुमार पाठक ने बहस की।

महिला सम्मेलन का हुआ आयोजन

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा सेक्टर-45 स्थित सेतु शिक्षा ज्योति स्किल सेंटर एवं एजुकेशन स्कूल सदरपुर में आज महिला उन्नति संस्था, गौतम बुद्धनगर के तत्वावधान में एक विशेष महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का नेतृत्व संस्था की जिला अध्यक्ष श्रीमती रेनू बाला शर्मा ने किया, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुजाता गर्ग ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं उनके समाधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। इसके अलावा, साइबर क्राइम समाधान केंद्र से आए थाना प्रभारी सेक्टर 39 नोएडा श्री राजीव सिंह एवं सब-इंस्पेक्टर ज्योति चौहान ने महिलाओं को साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जागरूक किया। उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर स्टाकिंग और डिजिटल सुरक्षा उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की, जिससे महिलाएं इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग कर सकें। इस अवसर पर महिला उन्नति संस्था की श्रीमती सीमा रावत, जिला प्रभारी, श्री सुरेंद्र सिंह बिष्ट एवं श्री विपिन चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने महिलाओं के लिए किया यथार्थ पिंक कार्ड' लॉन्च

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले, यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर 110, नोएडा ने पब्लिक अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य और उनके लिए विशेष चिकित्सा सुविधाओं पर उद्देश्य महिलाओं को फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। इस वॉकथॉन में भाग लेने वाली महिलाओं को फ्री टी-शर्ट और जुम्बा सेशन का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, तीन लकी विजेताओं को विशेष पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इस आयोजन में विशेषज्ञ पैनल के रूप महिलाओं को किफायती और सुलभ चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। इस कार्ड के तहत महिलाओं को डिस्काउंटेड हेल्थ चेकअप पैकेज, प्राथमिक चिकित्सा पर विशेष छूट, और विशेषज्ञ डॉक्टरों की परामर्श सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। 'यथार्थ पिंक कार्ड' के लॉन्च और

चर्चा की गई। इस अवसर पर हॉस्पिटल ने महिलाओं के लिए 'यथार्थ पिंक कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की, जो उन्हें संपूर्ण चिकित्सा सेवाओं का लाभ प्रदान करेगा। साथ ही, महिला दिवस विशेष हेल्थ चेकअप पैकेज की भी शुरुआत की जाएगी, जिससे महिलाएं अपने स्वास्थ्य की संपूर्ण जांच करवा सकेंगी। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर 110, नोएडा, 8 मार्च को 3 किमी वॉकथॉन का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में गौतम बुद्ध नगर की डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (महिला सुरक्षा) श्रीमती सुनीति (आईपीएस) करेंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य में यथार्थ ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. मंजू त्यागी, यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर 110, नोएडा की सीईओ डॉ. गौतमी ए.वी. के साथ हॉस्पिटल के गायनेकोलॉजी एंड आब्सटेट्रिक्स विभाग की एचओडी एवं सीनियर कंसलटेंट डॉ. कनिका अग्रवाल, सीटीवीएस विभाग के डायरेक्टर डॉ. नीरव बंसल और ओर्थोपीडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के एचओडी एवं डायरेक्टर डॉ. बृजेश कुमार कोसले भी शामिल होंगे।'यथार्थ पिंक कार्ड' लॉन्च के अवसर पर यथार्थ ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. मंजू त्यागी ने बताया कि महिलाओं का स्वास्थ्य पूरे समाज की नींव है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें संपूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। 'यथार्थ पिंक कार्ड' एक विशेष हेल्थ कार्ड है, जो वॉकथॉन जैसे प्रयासों के माध्यम से हम महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक करना चाहते हैं।ङ्कयथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर 110, नोएडा की सीईओ डॉ. गौतमी ए.वी. ने कहा कि यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल हमेशा से ही समाज में स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यह आयोजन महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।ङ्कयथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

दिव्यांगजनों को 163 उपकरण किये गये वितरित

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली।जनपद रायबरेली सलोन तहसील विकास खण्ड

सलोन में दिव्यांग लोगो कृत्रिम अंग उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 48 ट्राईसाइकिल, 100 बैसाखी, 09 व्हीचेयर एवं 06 स्मार्ट केन दिव्यांग लाभार्थियों को वितरित किया गया। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश द्वारा सरकार की नीतियों एवं सरकार द्वारा मिलने वाली योजनाओं के सम्बन्ध में दिव्यांगों को अवगत कराया साथ ही जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मोहन त्रिपाठी, राजन चतुर्वेद्वी, सत्यपाल विश्वकर्मा, खण्ड विकास अधिकारी सलोन, डीह छतोह, शशि देवी, नारायण दीक्षित, अरविन्द प्रताप सिंह, अमित मालवीय आदि ने भी सरकार की नीतियों तथा समाज के अन्तिम पायदान पर स्थित लाभार्थियों को सरकार द्वारा समय समय पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया। पात्र लाभार्थियों में मकसूदली, करन, नीतू, भास्कर आदि लोगों ने सरकार एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

नोडल अधिकारी ने ग्राम चौपाल में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया लाभान्वित

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। प्रमुख सचिव, परिवहन, समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण उ0प्र0 शासन/ नोडल अधिकारी एल0 वेंकटेष्वर लू

की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत बाला के पी0एम0 श्री कम्पोजिट विद्यालय में विभिन्न विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा विभाग, स्वस्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वच्छ पेयजल कार्यक्रम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, विभिन्न प्रकार की पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उत्तर प्रदेश स्पान्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन योजना-ग्रामीण, राज्य/केन्द्रीय वित्त योजना, मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन, आई.जी.आर.एस. के संदर्भ आदि योजनाओं पर चर्चा की गयी। चौपाल में प्रमुख सचिव द्वारा मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थी बब्बू को आवास की चाभी एवं शाल दिया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन के अन्तर्गत 16 स्वयं सहायता समूहो को 1.50 लाख रू0 प्रति समूह इस प्रकार कुल रूपया 24.00 लाख की चेक, 02 स्वयं सहायता समूहो को बैंक क्रेडिट लिंकेज की 6-6 लाख की धनराशि के 02 चेक, स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत 05 लाभार्थियों को चेक प्रदान की गयी। प्रेमा को ट्राई साइकिल एवं शाल प्रदान किया गया। आयुष्मान योजनान्तर्गत 02 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। प्रमुख सचिव द्वारा समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देर्षित किया गया कि ग्राम पंचायत में संचालित विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जाये एवं ग्राम चौपाल में नियमित रूप से ग्राम चौपाल एंव बैठको का आयोजन करते हुए विकास कार्यक्रमो का क्रियान्वयन कराना सुनिश्चित कराया जायें। उन्होंने कहा कि जो समस्याएं संज्ञान में आये उनका शीघ्र गुणवत्तापूर्वक निस्तारण कराया जाये। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, परियोजना निदेशक, (जिला ग्राम्य विकास अभिकरण) सतीश चन्द्र मिश्रा, जिला विकास अधिकारी अरूण कुमार, उपायुक्त (श्रम रोजगार) उपायुक्त (स्वतः रोजगार), जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, हरचन्दपुर अवर अभियंता (विद्युत) हरचन्दपुर सहित अन्य जिला स्तरीय/विकास खण्ड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

नारी शक्ति की दृढ़ता और समर्पण को प्रणाम

समाज मे नारी के योगदान को सराहने का दिन है अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पश्चिमी देश आ बेशक महिला अधिकारों के सबसे बडे हिमायती बनते हो लेकिन यह कडवी सच्चाई है कि बीसवी सदी के आरंभिक वर्षों तक इनमे से ज्यादातर देशों मे महिलाओं की समाजिक और आर्थिक हैसियत काफी खराब थी। उन्हें मताधिकार हासिल नही थे। समान काम के बावजूद उनका पारिश्रकिम भी पुरुषों की अपेक्षा लगभग आधा था। अमेरिका, रुस और जर्मनी जैसे देशों मे महिला अधिकारों को लेकर 1900 के आसपास आंदोनल शुरु किए गए। 1909 मे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस के तौर पर मनाते हुए उनके लिए अवकाश की घोषणा की गई थी। जर्मन महिला मानवाधिकार कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन के प्रयासों से 1910 मे 19 मार्च को मर्जनी, आस्ट्रिया और डेनमार्क मे महिला दिवस मनाते हुए महिलओ के लिए माताधिकार की मांग की गई। रुस के रिंकुश शासक जार के खिलाफ रुसी महिलाओं ने 8 मार्च 1917 को हडताल करते हुए महिला मताधिकार और सम्मान की मांग की थी। इसके बाद प्रति वर्ष 8 मार्च को पूरी दुनिया मे अवकाश घोषित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला के तौर पर मनाने की शुरुआत की गई।

भारत में यत्र नार्यस्तु पुज्यन्ते रमंते तत्र देवता की अवधारणा के बाद गुलाम भारत बिगडी महिलाओं की दशा

प्राचीन भारत में तत्र नार्यस्तु पुज्यन्ते रमंते तत्र देवता अर्थात जाहां नारी की पूजा होती है, वहां देवताओं का बास होता है, की धारणा थी। बैदिक काल में अपाला, गर्मी, मैत्रा जैसी कई विदुषी महिलाओं के मंत्र रचने की बात सामने आती है। महिलाओं की समाजिक स्थिति भी बेहतर थी। कौशल्या नंदन, अंजनी पुत्र, यशोदानंदन कुछ विभुतियो के उदाहरण है जो अपनी मां के नाम से संबोधित किए जाते थे। लेकिन महिलाओं की स्थिति मे विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों और भारत के गुलाम बनने के बाद काफी तब्दीली आई। एक तरह से उन्हें घरों में कैद कर दिया गया। शिक्षा और उत्तराधिकारी से भी वंचित कर दिया गया।

भारतीय संविधान में महिलओं को समान अधिकार

1947 में स्वतंत्रता के बाद बनाए संविधान में भारत ने देश की सभी महिलाओं को हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर ही आजादी दी। मौजूदा समय मे सशस्त्र सैन्य बल जैसे पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र भी भारतीय महिलाओं के लिए खोल दिए गए है। लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा इसके बाद भी समाज और कार्यस्थलों पर महिलाओं को भेदभाव एवं उत्पीडन का सामना करना पडता है। इसे दूर करने के प्रयास जारी है। केंद्र और कई राज्यों में महिलाओं के सशक्तीकरण की योजनाएं चलाई गई है। महिला को उत्पीडन से बचाने के लिए कई कानून भी बनाए गए है।

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) कुछ भारतीय महिलाओं ने विज्ञान, कला, साहित्य, खेल और राजनीति जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में सराहनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इन महिलाओं की सफलता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और दिखाती हैं कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकती हैं। इसके साथ ही साल 2024 में महिला दिवस की थीम 'इंस्पायर इंक्लूजन' है, जिसका मतलब एक ऐसी दुनिया, जहां हर किसी को बराबर का हक और सम्मान मिले। महिलाओं को समाज में उनकी अहमियत को समझाने के लिए इस दिन पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में अलग-अलग विषयों पर चर्चाएं, कविता पाठ, नाटक, और समारोह आयोजित किए जाते हैं। इन सभी कार्यक्रमों का खास मकसद महिलाओं के अधिकारों और समाज में उनकी स्थिति के महत्व को जागरूक करना है।आखिर में, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि लैंगिक समानता हासिल करना एक सतत प्रक्रिया है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों को मिलकर काम करना होगा। तभी हम एक ऐसा समाज बना पाएंगे जहां महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो।

प्रीति गुप्ता समाज सेविका वाराणसी

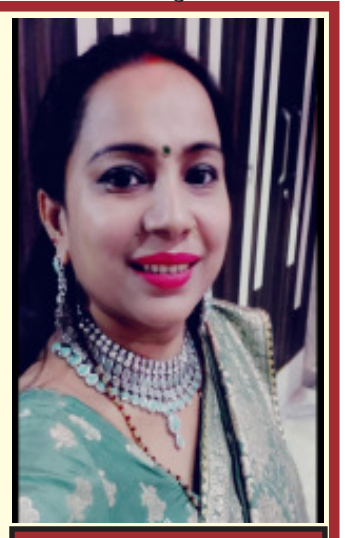

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कार्यक्षेत्र:लेखिका, योग शिक्षिका,शिक्षिका,समाज सुधारिका

प्रकाशित पुस्तकें:
1.प्रेरणा
2.जीवन पथ(उत्तर प्रदेश हिंदी साहित्य संस्थान के अनुदान से प्रकाशित)
3.सदा सफल है तू
4.गुरु गाथा
5.सारथी(प्रकाशन प्रक्रिया में)

अप्रकाशित पुस्तके:
1.मै हारूंगी नहीं
2.गुरु रामायण
3.अष्टावक्र गीता
4.योग संहिता
5.आखिर क्यों
6.खर्च करना आसान नहीं
7.वैदेही के मुक्तक

सम्मान:
1.वंडर मॉम
2.देवनागरी सम्मान
3.मीराबाई सम्मान
4. मदर टेरेसा नारी सम्मान
5.विभिन्न मंचों से 200 से अधिक सम्मान
6.हावर्ड विश्व रिकॉर्ड में सहभागिता(बुलंदी संस्था)
7.गिनीज वर्ड रिकॉर्ड में सहभागिता(बुलंदी संस्था)
8.दूरदर्शन उत्तर प्रदेश के दहम स्दी कार्यक्रम में कविता पाठ (दो बार)
9.उास् ऑफ आधुनिक भारत
10. राब्ता रत्न
11.आकाशवाणी , प्रयागराज पर लाइव काव्यपाठ

अन्य:
विभिन्न समाचार पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशन
150से अधिक साझा संकलन में सहभागिता
वैचारिक प्रदूषण पर जागरूकता
सामाजिक जागरूकता

सदस्य:विश्व हिंदी संस्थान,हिंदी साहित्य अकादमी,बुलंदी साहित्यिक संस्था,प्रिंस जी वेलफेयर ट्रस्ट ,कपिलेश साहित्यिक संस्था आदि

संपर्क:9369505944
पता:1/5 ए माधोकुंज, पुराना कटरा,प्रयागराज

अरुणिमा बहादुर खरे वैदेही कार्य क्षेत्र:लेखिका

प्राचीन काल से ही मानव समाज का रथ महिला और पुरुष रहे है! और पूरा समाज इन दो पहियों पर ही चलता है! अगर इस रथ के दोनों पहियों में से किसी भी पहिये में कोई समस्या आ गया तो ये रथ रुक जायेगा! इसलिए इस रथ को चलने के लिए इन दोनों पहियों को सही तरीके से चलना बहुत ही जरूरी है! हमारे प्राचीन काल में महिला और पुरुष दोनों को एक समान सम्मान दिया जाता था! और बैदिक युग में तो नारियो की पूजा की जाती थी! प्राचीन भारत में नारी का बहुत सम्मान किया जाता था इसी कारण प्राचीन भारत में नारी की शिछा का बहुत ही प्रचार था! इसका अनुमान हम इस बात से लगा सकते है की वेद की रचनाओ का बढ़िया ज्ञान नारियो को ही था! प्राचीन काल की नारिया को वेद पुराणों का बहुत ही बढ़िया ज्ञान रहता था! प्राचीन काल में बहुत सी ऐसी नारिया थी जो की सम्पूर्ण नारी समाज के लिए एक प्रेरणा की तरह थी।

प्रियंका त्रिपाठी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा सुयश ब्राह्मण एकता ट्रस्ट, अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा गयाजी धाम, क्राइम रिसर्च इंटेलिजेंट ब्यूरो ट्रस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है श्रीमती पूनम सिंह जिन्होंने भावनी वेलफेयर सोसाइटी प्रयागराज में सचिव के पद पर रहते हुए दिव्यांग बच्चों हेतु भाविनी डे केयर नाम से 2005 से सदैव सेवा एवं सामाजिक कार्य कर रही है दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ भी शिक्षित किए जाने का पूरा श्रेय पूनम सिंह को जाता है इनका उद्देश्य दिव्यांग बच्चे भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके इसलिए वोकेशनल ट्रेनिंग देकर इन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य श्रीमती पूनम सिंह द्वारा किया जा रहा है आपके जब्बे आपके साहस और दिव्यांग बच्चों को जीने की नई राह देने के संकल्प को हमारी संस्था शत-शत नमन करती है एवं आप के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

पूनम सिंह (सचिव भाविनी वेलफेयर सोयायटी, प्रयागराज को समाज सेवा मे क्षेत्र में आपके रचनात्मक कार्यो हेतु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) हिंदी साहित्य का प्रयागराज की धरती से सदैव का रिश्ता रहा है बदलते दौर में भोजपुरी समाज ने अपनी भाषा के माध्यम से प्रयागराज की वास्तविक मूल भाषा को बुंदेलखंडी और खड़ी बोली के साथ खिचड़ी का स्वरूप दे दिया था विगत कुछ समय से पुन: अवधी भाषा के पुनर्जागरण का प्रयास रंगमंच कलाकारों तथा संस्थाओं एवं सरकारी योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है इस कड़ी में प्रसार भारती के पंचायत घर कार्यक्रम की पहली महिला कंपेयर के रूप में प्रयागराज का गौरव बढ़ाने वाली अवध की माटी की खुशबू को श्रोताओं तक पहुंचने वाली राधा के नाम से मशहूर श्वेता श्रीवास्तव मीडिया की पढ़ाई तथा बी एड की पढ़ाई करने के बाद आज उद्घोषिका एवं कंपेयर के रूप में प्रसार भारती में कार्यरत है। कैंसर जैसी बीमारी से लड़कर पुन: समाज में स्वयं को स्थापित कर सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए सदैव सक्रियता से साहित्य कला एवं संस्कृति को बढ़ावा दे रही है आपके बहुमुखी प्रतिभा के लिए तथा सामाजिक उद्देश्य में आपके उद्देश्यों को प्रणाम करते हुए हमारी संस्था खुद को अभिभूत महसूस करती है।

श्वेता श्रीवास्तव कम्पेयर - प्रसार भरती, भरत सरकार

ममता सिंह
महिला उपनिरीक्षक
थाना मुरसान, जनपद हाथरस थानाप्रभारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ममता सिंह तेजतर्रार महिला उप निरीक्षक में से एक है इनकी छवि लेडीज सिंघम की है इनके थाने का चार्ज लेते ही अपराधियों में खलबली मच गई है मुरसान की जनता एवं जनप्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के इस निर्णय की सराहना की है इनके इंचार्ज बनने से इनके इंचार्ज बनने से महिला संबंधी अपराधों में भी कमी आएगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सपनों में भागती
एक स्त्री का पीछा करते
कभी देखा है तुमने उसे
रिश्तों के कुरुक्षेत्र में
अपने...आपसे लड़ते।

रसोई और बिस्तर के गणित से परे
एक स्त्री के बारे में।

तन के भूगोल से परे
एक स्त्री के
मन की गांठे खोलकर
कभी पढ़ा है तुमने
उसके भीतर का खौलता इतिहास।
अगर नहीं
तो फिर जानते क्या हो तुम।

श्वेता साहू

दी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन प्रदेश सचिव प्रयागराज उत्तर प्रदेश

अनुपम खेर बोले- उम्र बस एक नंबर है, मैं इस बात का उदाहरण हूं, अभिनेता ने जन्मदिन पर साझा की पोस्ट

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्मों में अपनी उम्दा कलाकारी के अनुपम खेर जाने जाते हैं। आज अभिनेता अपना जन्मदिन मना रहे हैं। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी साझा किया, इसमें वह अपनी एक्टिंग जर्नी के बारे में बता रहे हैं। बॉलीवुड फिल्मों में अपनी उम्दा कलाकारी के अनुपम खेर जाने जाते हैं। आज अभिनेता अपना जन्मदिन मना रहे हैं। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी साझा किया, इसमें वह अपनी एक्टिंग जर्नी के बारे में बता रहे हैं। अनुपम खेर अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'आज मेरा जन्मदिन है, 70वां। जिस शख्स ने फिल्मों में 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग की भूमिका निभाई हो और फिर ज्यादातर अपनी उम्र से बड़े किरदार किए हों। उसकी जवानी तो अब शुरू हुई है। मैं इस बात का उदाहरण हूं कि उम्र महज एक नंबर है।' आगे अपनी पोस्ट में अनुपम खेर फैंस को कहते हैं, 'आप मुझे जन्मदिन पर आशीर्वाद और बधाई दीजिएगा। मैं हरिद्वार आया हूं मां, दोस्तों और परिवार के लोगों के साथ। इस बार जन्मदिन खास है। इसे पूरे सनातनी तरीके से मनाऊंगा। जय मां गंगे, हर हर महादेव।' कल भी अपनी मां के साथ अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह गंगा घाट पर पूजा-अर्चना कर रहे थे। जल्द ही अनुपम खेर फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में एक अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। विक्रम भट्ट निर्देशित यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया की जिंदगी से इंस्पायर बताई जा रही है। फिल्म में अनुपम खेर के अलावा अदा शर्मा, ईशा देओल भी हैं।

रान्या राव ने कुबूल किया अपना गुनाह दुबई के अलावा इन देशों का किया सफर

(अधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कर्नाटक की अभिनेत्री रान्या राव को हाल ही में सोना तस्करी मामले में हिरासत में लिया गया। उन्होंने डीआरआई को दिए बयान में अपना गुनाह कुबूल किया है।पिछले दिनों कर्नाटक की अभिनेत्री रान्या राव सोना तस्करी मामले में बेंगलुरु एयरपोर्ट पर गिरफ्तार की गईं। इस मामले में अब रान्या ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को दिए बयान में अपना गुनाह कुबूल किया है। सीएनएन-न्यूज 18 की एक खबर के मुताबिक डीआरआई को दिए अपने पहले बयान में रान्या ने कुबूल किया कि उनके कब्जे से 17 सोने के टुकड़े बरामद हुए।रान्या ने ये भी कुबूल किया कि उन्होंने न सिर्फ दुबई की यात्रा की बल्कि उन्होंने यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व देशों का सफर किया। इसके बाद रान्या ने कुछ भी कहने से मना कर दिया। उन्होंने अफसरों से कहा कि उन्हें आराम करने दिया जाए। अभिनेत्री कर्नाटक राज्य आवास निगम के पुलिस महानिदेशक रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। अभिनेत्री को डीआरआई ने सोमवार शाम को बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। कथित तौर पर उन्होंने अपने डीजीपी पिता के साथ संबंधों का फायदा उठाकर सुरक्षा जांच से बचने की कोशिश की। उनके पास से 12.56 करोड़ रुपये का सोना बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उसके बाद डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु स्थित उनके घर पर भी छापा मारा। वहां से उन्हें करोड़ों रुपये का सोना और नकदी बरामद हुई। रान्या राव अपनी लगातार अंतरराष्ट्रीय यात्राओं की वजह से डीआरआई के रडार पर थीं। अधिकारियों के अनुसार, वह पिछले साल 30 से अधिक बार दुबई जा चुकी थीं। पिछले 15 दिनों में वह चार बार दुबई गईं। इसके बाद उन पर तस्करी का संदेह हुआ। गहन तलाशी में उनके पास चालाकी से छिपाकर रखे गए सोने के बिस्कुट बरामद हुए, जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। अभिनेत्री, पुलिस महानिदेशक (पुलिस आवास निगम) रामचंद्र राव की बेटी हैं। उन्होंने मशहूर एक्टर सुदीप के साथ फिल्म 'मानिक्या' (2014) में भी काम किया है। इसके बाद अभिनेत्री ने विक्रम प्रभु के साथ साल 2016 की फिल्म 'वाघा' से तमिल सिनेमा में कदम रखा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्रोफाइल संकलन प्रियांशु श्रीवास्तव एवं श्वेता गुप्ता